छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 307 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 04 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

अमेरा खदान विस्तार को लेकर ग्रामीण-पुलिस के बीच खूनी संघर्ष

एएसपी, एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित कई घायल, पूर्व सरपंच व ग्रामीण भी जख्मी

स्कूली छात्र को पुलिस ने हिरासत में लेने पर बढ़ा विवाद

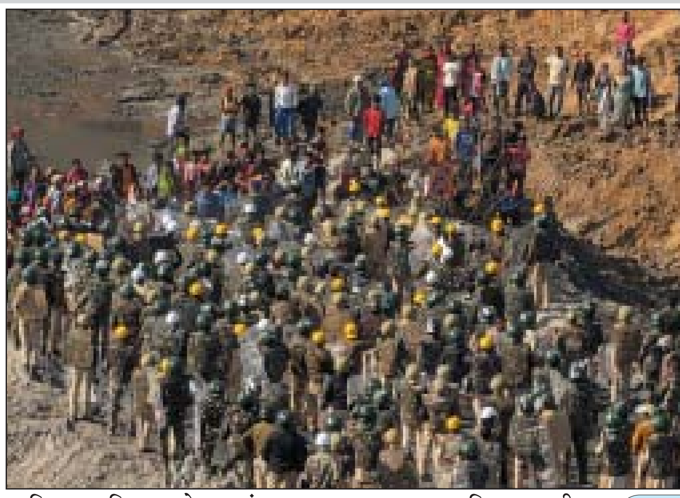

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर/लखनपुर। सरगुजा जिला के अमेरा कोल खदान विस्तार को लेकर ग्राम परसोड़ी कला के ग्रामीण उग्र हो गए हैं, खूनी संघर्ष की स्थिति बन गई है। बुधवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने लाठी-डंडे, गुलेल से लैस होकर पुलिस बल पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों के द्वारा की गई पत्थरबाजी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण, थाना प्रभारी सहित कई पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। इधर पुलिस के द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में पूर्व सरपंच सहित एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों को चोटें आई है। भारी विरोध और तनाव को देखते हुए मौके पर अंबिकापुर से अतिरिक्त पुलिस बल को मंगाना पड़ा। पुलिस के द्वारा आंसू गैस के गोले भी ग्रामीणों पर छोड़े गए, और बल का प्रयोग भी किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि बगैर भूमि अधिग्रहण किए अमेरा प्रबंधन के द्वारा खदान का विस्तार किया जा रहा है।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमेरा कोल खदान विस्तार के मामले में ग्रामीण अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। बुधवार को कंपनी द्वारा ग्राम परसोड़ीकला में कोल का खनन किया जा रहा था। इसी बीच ग्रामीण महिला-पुरुष व युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने खदान विस्तार का पुरजोर विरोध किया। ग्रामीण लाठी-डंडे से लैस थे। ऐसे में काफी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर पहुंची, इसके बाद मामला सुलझने की जगह और उलझ गया। देखते ही देखते ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों पर पथराव शुरु कर दिया। लाठी-डंडे, पत्थर बरसाए। पुलिस ने भी लाठियां भांजी, लेकिन बाद में बचाव की मुद्रा में आ गई। मौके पर तनाव के हालात हैं, एक ओर पुलिसकर्मी तो दूसरी ओर ग्रामीण मोर्चा संभाले हैं। अमेरा कोल माइंस विस्तार का विरोध लगातार जारी है। पिछले कई महीनों से कोल माइंस के अधिकारियों, ठेकेदारों व सुरक्षा कर्मियों के साथ ग्राम परसोड़ीकला के ग्रामीणों की भिड़ंत हो चुकी है। इसमें ग्रामीण समेत कोल माइंस से जुड़े अधिकारी पूर्व में भी घायल हो चुके हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के अलावा अपर कलेक्टर भी मौके पर पहुंचे।

स्कूली छात्र को हिरासत में लेने के बाद बढ़ा विवाद

खदान विस्तार को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों के साथ स्कूल के बच्चे भी सामने आ गए हैं। अपनी जमीन को बचाने के लिए स्कूल में अध्यनरत 12वीं का छात्र भी जब प्रदर्शन एवं विरोध का हिस्सा बना तो पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया, या कहें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद विवाद और बढ़ गया। इसी बीच ग्रामीण और पुलिस प्रशासन के बीच जमकर झड़प और संघर्ष की स्थिति बनी, इसके बाद कई लहूलुहान चेहरे सामने आने लगे, जिसमें पुलिस के अधिकारी व जवानों के अलावा ग्रामीण भी शामिल थे।

अश्रु गैस के गोले से नहीं पड़ा फर्क

ग्रामीणों के द्वारा अपनी जमीन को बचाने के लिए किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान हालात ऐसे बन गए कि पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। पुलिस का यह प्रयास ग्रामीणों की भीड़ को टस से मस नहीं कर पाया और लगातार वे प्रदर्शन करते रहे। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने कड़ा रवैया अख्तियार करने के मूड में थी। इधर ग्रामीण धरनास्थल से खदान के ऊपर वाले हिस्से में चले गए, तो मजबूरन पुलिस प्रशासन सहित प्रबंधक को पीछे वापस लौटना पड़ा।

आदिवासी ग्रामीण ही टारगेट में क्यों?

सरगुजा में उदयपुर परिक्षेत्र के जंगल को काटने और जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए लगातार 15 वर्षों से जारी हड़ताल के बीच आदिवासी ग्रामीण खूनी संघर्ष से जूझ रहे हैं, इसके बाद भी वे प्राकृतिक संपदा और लहलहाती फसलों वाली जमीन को नहीं बचा पा रहे हैं। इस दौरान रामलाल करियाम को भी काफी चोटें आई, वहीं बुधवार को अमेरा खदान विस्तार कार्य के विरोध दौरान कई आदिवासी वर्ग के लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार सरगुजा में जिस प्रकार कोयला खनन के लिए विस्तार कार्य किया जा रहा है, उस अनुपात में क्षेत्र का विकास नहीं हो रहा है। इससे नाराज ग्रामीण अपना जमीन नहीं देना चाहते हैं।

एएसपी सहित दो दर्जन पुलिसकर्मी घायल

ग्रामीणों और पुलिस के बीच बनी संघर्ष की स्थिति के बीच पत्थरबाजी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, एसडीओपी तुल सिंह पत्तावी, थाना प्रभारी लखनपुर मनीष सिंह परिहार, उदयपुर थाना प्रभारी शिशिर कांत सिंह, अश्विनी दिवान सहित दो दर्जन से अधिक पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल पुलिस कर्मियों को अस्पताल भेजा गया। कई घायलों का मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया गया।

पूर्व सरपंच व एक दर्जन ग्रामीण भी चोटिल

अमेरा खदान विस्तार को लेकर मचे बवाल के बीच पूर्व सरपंच लोकनाथ उर्रे, फुलेश्वर राजवाड़े, राजेंद्र सिंह, चरण, अनीता सिंह, नंदलाल सिंह, देवचरण राम, दयालाल, मिलन राजवाड़े, भोगली बाई, सुनेश्वर रजक, संतोष राजवाड़े सहित अन्य महिला-पुरुष घायल हो गए।

विधानसभा सत्र के मद्देनजर अवकाश पर प्रतिबंध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आगामी 14 से 17 दिसंबर 2025 तक आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा के षष्ठम विधान सभा के सप्तम सत्र के मद्देनज़र सरगुजा जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। कलेक्टर कार्यालय, अंबिकापुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में पदस्थ सभी शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों के समस्त प्रकार के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि विधानसभा सत्र अवधि में सभी अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। अत्यंत आवश्यक या अपरिहार्य परिस्थितियों में ही अवकाश पर जाने अथवा मुख्यालय छोड़ने की अनुमति दी जाएगी। ऐसी स्थिति में संबंधित कार्यालय प्रमुख द्वारा अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। वहीं कार्यालय, विभाग प्रमुख को भी किसी भी प्रकार के अवकाश हेतु कलेक्टर की लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा।

बसदेई चौकी पुलिस ने 4 जुआड़ियों को पकड़ा, नकदी, मोबाइल और बाइक जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। जिले में अवैध जुआ एवं आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस की मुहिम लगातार तेज होती जा रही है। डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पूरे जिले में अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चौकी बसदेई पुलिस को 02 दिसंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गंगोटी में कुछ युवक आपस में हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी बसदेई योगेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रणनीति बनाकर ग्राम गंगोटी में घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही कुछ लोग भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चार जुआड़ियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से 9,100 रुपये नकद, 04 मोबाइल फोन, 04 मोटरसाइकिल पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जगदीश प्रसाद पिता रामनारायण साहू, 48 वर्ष निवासी ग्राम पोड़ी, पूरन प्रसाद पिता धनराज 35 वर्ष निवासी ग्राम गंगोटी, संजय साहू पिता परन राम 43 वर्ष निवासी ग्राम मांजा, सूरज साहू पिता राम संजीवन 32 वर्ष निवासी ग्राम बांसापारा शामिल हैं। सभी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह, आरक्षक अलका टोप्पो, बालमुकुंद पाण्डेय, देवदत्त दुबे, शिवराज, रामकुमार, आदित्य यादव, राकेश सिंह, दिलीप साहू, महिला आरक्षक पूनम एवं प्रफुल्ला की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब बिक्री एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने अपील की गई है कि किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, जिससे समाज में शांति एवं सुरक्षा कायम रखी जा सके।

काम के बहाने युवती को उज्जैन ले जाकर सहेली ने दो लाख में बेचा

युवतियों की अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अवैध तरीके से युवती की खरीद-बिक्री करने वाले आरोपियों को मणिपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवती को मध्य प्रदेश उज्जैन से पुलिस टीम ने बरामद कर लिया है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों के तलाश में पुलिस लगी है। एक और युवती को लखनपुर क्षेत्र से ले जाने का मामला प्रकाश में आया है, हालांकि पुलिस की ओर से जारी नोट में इसका उल्लेख नहीं किया गया है।

जानकारी के मुताबिक 19.11.25 को शादी पार्टी में काम करने के बहाने युवती को उसकी सहेली अलका ने पत्थलगांव ले जाने की बात उसकी बहन से कही और उज्जैन ले जाकर अशोक से नकद 2 लाख रुपये लेकर बेच दिया। यहां आरोपी अशोक ने पीड़िता से विधि विरुद्ध विवाह कर लिया, इसके बाद आरोपी महिला पीड़िता का फोन उठाना बंद कर दी। 29 नवंबर को शाम आरोपी अशोक ने प्रार्थिया को फोन करके बताया कि अलका ने उसकी बहन को दो लाख रुपये में बेच दिया है और जब तक पैसा वापस नहीं मिलेगा तब तक वह उसकी बहन को नहीं छोड़ेगा। आरोपी ने प्रार्थिया को पुलिस एवं अन्य जगहों पर घटना के संबंध में जानकारी देने एवं रिपोर्ट लिखाने से माना किया था एवं जान से मारने की धमकी भी दी थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने 26.11.25 को थाना मणिपुर में धारा 143 (2), 187, 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। विवेचना दौरान प्रकरण के आरोपी का पता लगाने पुलिस टीम उज्जैन पहुंची और भंवर सिंह के कब्जे से पीड़िता को बरामद किया। आरोपी भंवर सिंह को पुलिस ने हिरासत में लिया। पीड़िता से पूछताछ में जानकारी मिली कि अलका उसे उज्जैन स्टेशन पर अशोक, मुकेश और भंवर सिंह को सौंपकर चली गई। आरोपी उसे उज्जैन से 15 किलोमीटर दूर ऑटो से लेकर आरोपी अपने गांव बड़ोदिया गए और अशोक एवं मुकेश ने जबरन भंवर सिंह से उसका विवाह करा दिया। भंवर सिंह ने उसे भागने की कोशिश करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। मणिपुर पुलिस टीम ने भंवर सिंह गोहाना पिता उमराव सिंह 25 वर्ष, निवासी कमला नेहरू मार्ग प्रेमनगर चिमनगंज उज्जैन को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो वह अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर घटना के अन्य आरोपी प्रेम नगर चिमनगंज के ही मुकेश सिंह गोहाना पिता उमराव सिंह 32 वर्ष को गिरफ्तार कर पुलिस अंबिकापुर पहुंची और अग्रिम कार्रवाई करते हुए धारा 140(3), 142, 144 (2), 64 2डी बीएनएस जोड़कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक अश्विनी सिंह, सहायक उप निरीक्षक शौखी लाल, आरक्षक सत्येंद्र दुबे की मुख्य भूमिका रही।

अमीन भर्ती परीक्षा के संचालन हेतु उड़नदस्ता दल एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 7 दिसम्बर को आयोजित होने वाली जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 2025 के सुव्यवस्थित संचालन, पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने हेतु कलेक्टर विलास भोसकर की उपस्थिति में उड़नदस्ता दल एवं पर्यवेक्षकों को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा के नोडल अधिकारी रामराज सिंह तथा संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने व्यापमं के दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और व्यापम के गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन करें। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें जांच उपरांत ही विधिवत परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दे समय का विशेष ध्यान रखें। परीक्षार्थियों के हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। नोडल अधिकारी रामराज सिंह द्वारा पर्यवेक्षक एवं उड़नदस्ता दल को सौंपी गई जिम्मेदारी के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि सरगुजा जिले अंतर्गत 56 परीक्षा केन्द्रों में लगभग 18,779 अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2.15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

परीक्षार्थी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश

व्यापम द्वारा जारी निर्देशानुसार परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना होगा, ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व अर्थात सुबह 11.30 बजे परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देंगे। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति होगी। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु आधे बांह एवं हल्के रंग का बंधन नहीं है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में चप्पल पहनना होगा, कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घडी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी। परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र में केवल काले या नीले बॉल पांइट पेन लेकर ही आना होगा।

किराना दुकान से 80 क्विंटल धान जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने चल रहे अभियान अंतर्गत उदयपुर विकासखंड के मडगांव में कार्रवाई करते हुए, चेतन सिंह के किराना दुकान में अवैध रूप से भंडारण किए गए 200 बोरी धान (लगभग 80 क्विंटल) बरामद किए गए हैं। मंडी अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर कृषि उपज मंडी समिति, राजस्व विभाग तथा स्थानीय प्रशासन की टीम ने मौके पर ही धान की जब्ती कार्रवाई करते हुए पंचनामा तैयार किया। दुकान संचालक द्वारा धान के भंडारण संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध भंडारण एवं अवैध खरीदी, बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

समर्थन मूल्य पर पारदर्शी धान खरीदी से बढ़ा किसानों का भरोसा

★ ऑनलाइन टोकन प्रणाली से धान खरीदी हुई सुगम ★ पारदर्शी प्रक्रिया से किसानों को मिल रहा मेहनत का सही मूल्य ★ अच्छी उपज और सुगम खरीदी से सतीश हुए लाभान्वित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी का शुभारंभ हो चुका है, राज्य सरकार द्वारा किसानों की समृद्धि को नई दिशा देने के उद्देश्य से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था पारदर्शी एवं सरल है।

महराजगंज उपार्जन केंद्र में धान बेचने पहुंचे ग्राम खजुरी के किसान सतीश गुप्ता बताते हैं कि इस वर्ष धान बेचने की प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सुगम है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टोकन प्रणाली ने किसानों को होने वाली अनावश्यक प्रतीक्षा से मुक्त कर दिया है। सतीश बताते है कि पहले टोकन के साथ आज 200 बोरी धान का विक्रय करने पहुंचे है और आगामी दिनों में 275 बोरी धान बेचना बाकी है। वे बताते है कि पिछले वर्ष उन्होंने 400 बोरी धान बेचा था और इस वर्ष बेहतर प्रबंधन से 75 बोरी अधिक उपज हुई है जो पिछले वर्ष की मात्रा से अधिक है। उनका कहना है कि पिछले वर्ष समय पर भुगतान मिलने से खेती के कार्यों में बड़ा लाभ हुआ था। धान बेचकर प्राप्त आय को वे कृषि, खाद बीज और पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में उपयोग करते हैं। साथ ही उन्होंने पिछले वर्ष प्राप्त राशि से ट्रैक्टर भी खरीदा और इस वर्ष भी उन्हें शीघ्र भुगतान की उम्मीद है। वे बताते है कि किसान क्रेडिट कार्ड के तहत समय-समय पर लाभ भी लेते रहते है। धान खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते

हुए सतीश ने कहा कि केंद्र में व्यवस्थाएं अच्छी है। कर्मचारियों का भी सहयोग मिलता है और शासन के प्रयासों से हमारी मेहनत को सही मूल्य मिल रहा है। सतीश की तरह अन्य किसानों ने भी खरीदी व्यवस्था की प्रशंसा की। उनका मानना है कि इस वर्ष शासन-प्रशासन के द्वारा धान खरीदी सहज है। बेहतर व्यवस्थापन, त्वरित तौल मापन, ऑनलाइन पारदर्शिता और अधिकारियों की सतत निगरानी से किसानों का भरोसा बढ़ा है।

धान खरीदी नीति बनी किसानों की प्रगति का आधार

प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत किसान हितैषी नीति का लाभ गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले के किसानों को मिल रहा है। शासन द्वारा किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रति एकड़ 21 क्विंटल एवं प्रति क्विंटल 31 सौ रुपये की दर से धान खरीदी करने के निर्णय से किसानों में धान खरीदी को लेकर विशेष उत्साह है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में 15 नवंबर से धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुका है। और किसान अपनी उपज के साथ धान खरीदी के लिए उपार्जन केंद्रों में पहुंच रहे है। इसी क्रम में ग्राम सरनाडीह के किसान श्री केश्वर सिंह ने बताया कि शासन की पारदर्शी, धान खरीदी नीति ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया हैं। वे 5.5 एकड़ भूमि पर धान की खेती करते हैं। इस वर्ष 249 बोरी धान की बिक्री हुई है। केश्वर सिंह ने कहा कि 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य से उनकी वार्षिक आय में वृद्धि हुई है। बढ़ी हुई आय से वे परिवार की आवश्यक जरूरतों की पूर्ति, अगली फसल एवं भविष्य की योजनाओं को सुदृढ़ करने में सक्षम हो रहे हैं। वे बताते है कि पिछले वर्ष 242 बोरी धान बेचा था और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से प्राप्त राशि से बोर खनन करवाया है। जिसका सतत रूप से लाभ ले रहें है। धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर सटीक तौल व्यवस्था तथा पर्याप्त बारदाना जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। सहज, पारदर्शी और किसान केंद्रित व्यवस्थाओं के लिए श्री केशवर ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

सुने क्वार्टर का ताला तोड़कर नगद समेत जेवरात ले गए चोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल आवासीय कालोनी में एक सुने मकान में धावा बोल अज्ञात चोरों ने नगदी समेत जेवरात लेकर नौ दो ग्यारह हो गए हैं। चोरी की इस घटना में करीब एक लाख रुपए का अनुमान लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि एसईसीएल आवासीय कालोनी क्वार्टर नंबर 1 बी 148 निवासी रीजनल वर्कशॉप में मैकेनिकल हेल्पर 48 वर्षीय अब्दुल रहीम पिता स्व.अब्दुल करीम गत दिनों 1 दिसंबर को एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने परिवार सहित बिजुरी गए थे। इसी बीच सूनेपन का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने क्वार्टर के मुख्य द्वार का तला तोड़कर अंदर प्रवेश कर पहले एक आलमारी का लाकर को तोड़ा और उसमें कुछ नई मिलने पर दूसरे आलमारी का लाकर तोड़कर कर 8-10 हजार रुपए नगद समेत सोने का चैन, एक जोड़ी सोने की बाली, सोने की दो अंगूठी, चांदी का दो

जोड़ी पायल व अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। कोलकर्मी अब्दुल रहीम जब 1 दिसंबर की ही मध्य रात वापस घर लौटे तो देखा कि घर के सामने द्वार का ताला टूटा था और दरवाजा अंदर से बंद था। कोल कर्मी ने जब क्वार्टर के पिछले हिस्से में जाकर देखा तो खुला था। प्रार्थी ने तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी। बिश्रामपुर पुलिस ने मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उक्त चोरी की घटना से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अज्ञात चोरों ने घर की रेकी करके अपने वारदात को अंजाम देकर फरार हुए हैं।

माटीकला बोर्ड के प्रबंधक पर प्रभारी ने लगाया मारपीट का आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। माटीकला बोर्ड शशिपुर तेलईकछार में इन दिनों अंदरूनी विवाद चरम पर है। बोर्ड के सूरजपुर प्रभारी एवं सरगुजा संभाग के विकास अधिकारी प्रमोद डेविड ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर रायपुर मुख्यालय के प्रबंधक साकेत राजपुरिया पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है। यह मामला सरकारी विभागों में बढ़ती मनमानी, भय, भ्रष्टाचार और कर्मचारियों पर अनुचित दबाव की एक चौंकाने वाली मिसाल बनकर सामने आया है। कलेक्टर को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि गत दिनों 29 नवंबर की शाम करीब 7 बजे प्रमोद डेविड तेलईकछार स्थित यूनिट में अकेला था। तभी माटीकला बोर्ड रायपुर प्रबंधक साकेत राजपुरिया अपने चार सहयोगियों कमलेश, भुनेश्वर, ईश्वर और एक अज्ञात युवक के साथ वहां पहुंच गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यूनिट में पहुंचते ही प्रबंधक साकेत राजपुरिया द्वारा फर्जी बिल में साइन न करने, वित्तीय अनियमितताओं के साथ ही यूनिट में हुए शेड निर्माण के लिए लाखों रूपये की हेरा फेरी, के सबूत मिटाने की एक सोची-समझी कोशिश की गई है। शिकायतकर्ता प्रमोद डेविड ने आरोप लगाया है कि प्रबंधक

कलेक्टर को ज्ञापन देकर मांगी सुरक्षा

चाक खरीदी, चाक वितरण में कुम्हार परिवारों से पैसे की मांग को लेकर पहले डॉट फटकार करते हुए मारपीट कर दिया गया। भयवश शिकायतकर्ता यूनिट के अंदर से बाहर भागकर अपनी जान बचा पाए हैं।

शिकायत के अनुसार अगले ही दिन 30 नवंबर को प्रबंधक साकेत राजपुरिया पुनः कार्यालय आए और यहां लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर को उतारकर अपने साथ ले गए। इस घटनाक्रम ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया कि घटना साकेत राजपुरिया द्वारा गलत दस्तावेज तैयार करवाने, अनियमित कार्यवाही में शामिल होने, नकली हस्ताक्षर करने का लंबे समय से दबाव डाल रहे थे।पीड़ित के अनुसार उनका तीन माह का वेतन बिना कारण रोका गया और अब 1 दिसंबर को कार्यमुक्त करने का आदेश भी जारी कर दिया गया है। कलेक्टर को दिए ज्ञापन में मांग की गई है कि मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, डीवीआर गायब होने की घटना की जांच हो, वेतन रोके जाने और कार्यमुक्ति आदेश पर पुनर्विचार किया जाए। मामले ने माटीकला बोर्ड के भीतर हलचल मचा दी है।

157 रिक्त पदों के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 08 दिसम्बर को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने Genus कंपनी के द्वारा 157 पद स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन के लिए केवल पुरूष अभ्यर्थी के लिए रिक्त है। इसके लिए 08 दिसम्बर 2025 को जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। आवेदित पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं इलेक्ट्रीशियन/इलेक्ट्रीकल में आईटीआई उत्तीर्ण हो।

इच्छुक आवेदक निर्धारित स्थल पर अपनी शैक्षणिक दस्तावेजों की मूल प्रति एक सेट छाया प्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ सहित उपस्थित होकर अवसर का लाभ ले सकते है।

Genus कंपनी के द्वारा 157 पद स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन के लिए कुसमी में 20 पद, बरियों में 10, चांदो में 10, रघुनाथनगर में 15, राजपुर में 15, रामानुजगंज में 15, रामचन्द्रपुर में 15, डौरा-कोचली में 10, शंकरगढ़ में 10, चलगली में 10, डीपाडीह में 10, सनावल में 12 तथा सलका में 5 पद रिक्त है।

आवेदक इस पद के लिए erojgar पोर्टल एवं cg rojgar app के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर एवं मोबाईल नंबर-07831299158, 9685672368 में संपर्क कर सकते है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली जिंदगी

वर्षों की समस्या से मिला छुटकारा आवास का मिला सहारा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम सुलसुली निवासी श्री देवकुमार, जो वर्षों से मिट्टी के कच्चे घर में विषम परिस्थितियों में जीवन बिता रहे थे। लेकिन आज प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत मिले पक्के घर में सुरक्षा के साथ जीवन बिता रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर देवकुमार रोजी-मजदूरी व खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते है। उनके पुराने मकान से बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था। मकान जर्जर होने के कारण हर मौसम उनके लिए एक नई चुनौती रही हैं।

वर्ष 2024-25 की ग्राम सभा उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। जब उन्हें बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत उनके नाम से आवास स्वीकृत हुआ है, तो श्री देवकुमार भावुक हो गए, मानो

वर्षों का इंतजार अचानक पूरा हो गया। ग्राम पंचायत के सहयोग से आवास निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई, और आज वे अपने पक्के, मजबूत और सुंदर घर में अपने परिवार के साथ संतोष और सुकून के साथ रह रहे हैं। उनकी आंखों में एक नई चमक है। श्री देवकुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी की एक नई शुरुआत है। अब मेरे बच्चों के लिए सिर छुपाने के लिए एक सुरक्षित छत है, अब मैं अपने परिवार के साथ पक्के मकान में निश्चित होकर रह रहा हूं।

कलेक्टर के नाम से बनाया गया फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट

जनता से सतर्क रहने की अपील

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में एक नया साइबर अपराध सामने आया है, जहां अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बलरामपुर-रामानुजगंज कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर संदेश भेजा जा रहा है। यह मुख्य रूप से व्हाट्सएप के माध्यम से की जा रही है, जिसमें कलेक्टर के नाम और फोटो का इस्तेमाल किया जा रहा हैं।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने जिले की आम जनता से अपील की है कि वे इस प्रकार की संदेश से सतर्क रहें और किसी भी अनजान नंबर 84349589853से आए संदेशों पर संवाद न करें। बलरामपुर कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने कहा है कि अगर किसी को भी इस प्रकार की संदिग्ध फेक आई डी से संदेश या कॉल आता है, तो वे तुरंत ब्लाक तथा स्पैम रिपोर्ट करें ।

जिला पंचायत सीईओ ने ली ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में जनपद पंचायत वाड्रफनगर के सभाकक्ष में विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने दिए निर्देश

सहित अन्य निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर जोर देते हुए सचिव, ग्रामीण रोजगार सहायक एवं तकनीकी सहायक को लंबित कार्यों में तत्परता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

जिला पंचायत सीईओ ने मनरेगा कार्यों की प्रगति, मजदूरी भुगतान की स्थिति, अन्य चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं

निर्माणाधीन आवासों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। सीईओ श्रीमती तोमर ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभान्वित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अपने दिए गए दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करें। जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं की प्रगति को समय-सीमा में पूर्ण करें, ताकि ग्रामीण विकास की गति और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने टीमवर्क, पारदर्शिता और समयबद्धता से कार्यों को पूर्ण करने की बात कही। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने बैठक में उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले अनुपस्थित सचिव एवं ग्रामीण रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में जनपद सीईओ श्री मोहमद निजाम, सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

लूरघुटा में अवैध रूप से भंडारित 100 बोरी अवैध धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बलरामपुर श्री अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व में ग्राम लुरघुटा में अवैध रूप से भंडारित लगभग 100 बोरी धान जब्त किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी श्री गुप्ता ने बताया है कि लूरघुटा निवासी गणेश नगेसिया के घर पर नंदू गुप्ता के द्वारा 100 बोरी धान अवैध रूप से अपने घर में भंडारित किया गया था। जिसे मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए जब्त किया गया। इस दौरान तहसीलदार श्री रवि भोजवानी सहित संयुक्त टीम मौजूद रही।

ज्ञातव्य है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए 15 नवम्बर 2025 से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में सभी निगरानी दलों, नोडल तथा राजस्व अधिकारियों द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

जिले में अब तक 245157.60 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं।

जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 245157.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 1002.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 2284, कुसमी में 2146, जवाहरनगर में 1253.20, कामेश्वरनगर में 12956.80, कोदवा में 927.20, गोपालपुर में 2990, भेंडरी में 2623.20, चांदों में 7842.40, जमड़ी में 10887.20, जिगड़ी में 1754.40, जोकापाट में 455.20, डूमरपान में 5878, डिण्डों में 8001.60, डीपाडीह में 2737.20, डोंगरो में 2407.20, गांजर में 2464.40, त्रिकुण्डा में 7582, बगरा में 3997.20, तातापानी में 6948.40, धंधापुर में 5433.20, डौरा में 3547.60, पस्ता में 2588.40, बड़कागांव में 10155.60, बरतीकला में 5747.20, बरदर में 5232, आरा में 1155.60, बरियो में 6311.20, बलंगी में 4645.20, बलरामपुर में 4950.40, बसंतपुर में 8529.60, भुलसीकला में 774.40, भंवरमाल में 12127.20, रामानुजगंज 6685.20, महाराजगंज में 10583.20, महावीरगंज में 5511.20, विजयनगर में 9852.80, रघुनाथनगर में 5339.20, रनहत में 130, राजपुर में 6432, दोलंगी में 4011.60, रामचन्द्रपुर में 938, रामनगर में 7292, वाड्रफनगर में 3134.80, स्याही में 5402.40, विरेन्द्रनगर में 10978, सरना में 5973.60, सेवारी में 4353.60 एवं सामरी में 204.40 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

डबरी निर्माण से बदली किसान कुंवर सिंह की किस्मत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर |मुंगेली जिले के विकासखंड लोरमी अंतर्गत ग्राम पंचायत खुड़िया के किसान कुंवर सिंह ने मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत डबरी निर्माण से अपनी आजीविका में उल्लेखनीय सुधार किया है। मनरेगा के तहत डबरी निर्माण ने न केवल कुंवर सिंह के खेतों में हरियाली लौटाई है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी समृद्ध बनाया है। वर्षों से खेतों में सिंचाई सुविधा के अभाव के कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा था और किसान वर्षा आधारित खेती पर ही निर्भर थे। गर्मी के मौसम में खेत सूख जाते थे, जिससे आय सीमित हो जाती थी और परिवार आर्थिक तंगी का सामना करता था। महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ग्रामीण आजीविका सुधार के उद्देश्य से ग्राम पंचायत खुड़िया में कुंवर सिंह की निजी भूमि पर डबरी निर्माण स्वीकृत होने के उपरांत स्थल निरीक्षण और तकनीकी स्वीकृति के बाद ग्राम पंचायत द्वारा कार्य को पूर्ण कराया गया। कार्य पूर्ण होने के बाद किसान को एक गहरी, सुव्यवस्थित और वर्षा जल संग्रहण में सक्षम डबरी प्राप्त हुई। डबरी निर्माण के बाद कुंवर सिंह बहुआयामी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अब वे पूरे वर्ष खेतों की सिंचाई कर पा रहे हैं, जिससे दोहरी फसल उत्पादन से आय में वृद्धि हुई है। डबरी में मत्स्य पालन कर वे 3.60 लाख रुपये वार्षिक अतिरिक्त आय प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही डबरी की मेड़ों पर सब्जियाँ, अरहर सहित अन्य फसलें उगा रहे हैं, जिससे पशुओं के लिए हरा चारा भी उपलब्ध हो रहा है। जिला पंचायत के अधिकारियो ने बताया कि कुंवर सिंह की मेहनत और इच्छा शक्ति के साथ मनरेगा संरचना ने उनकी आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार किया है। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण दशार्ता है कि मनरेगा संरचनाएँ आजीविका संवर्धन में अत्यंत प्रभावी हैं तथा हितग्राही न केवल स्थायी परिसंपत्तियाँ प्राप्त करते हैं, बल्कि मजदूरी के माध्यम से तत्काल आय भी अर्जित करते हैं।

लाईफ मित्र के लिए 12 दिसम्बर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, अम्बिकापुर द्वारा 12 दिसम्बर 2025, दिन शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी कि इस कैंप में निजी नियोजक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, अम्बिकापुर से सुश्री अंजना सिंह उपस्थित रहेंगी। प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से लाईफ मित्र के 101 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं उत्तीर्ण, तथा स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों का वेतन कार्य के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। कैंप में आवेदन के लिए रोजगार कार्यालय में अभ्यर्थी का जीवित पंजीयन अनिवार्य है। यह प्लेसमेंट कैम्प पूर्णतः निःशुल्क है तथा नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तें नियोजक के जिम्मे होंगी। रोजगार कार्यालय इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा। जिले के इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार अपने साथ-शैक्षणिक योग्यता की अंकसूचियाँ,निवास प्रमाण पत्र,पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 12 दिसम्बर 2025, शुक्रवार, प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुर अम्बिकापुर में आयोजित प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित होकर रोजगार अवसर का लाभ उठा सकते

किसानों को निःशुल्क चना, सरसों का बीज वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कोरिया जिले के विकासखंड बैकुंठपुर कृषि विभाग द्वारा किसानों को अनुदान पर 2 दिसंबर को निःशुल्क चना ,सरसों बीज का वितरण ग्राम पंचायत बुढार के सरपंच श्रीमती सोन कुवर व मोदीपारा सरपंच पवन सिंह द्वारा किया गया। उक्त आयोजन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बैकुंठपुर द्वारा किया गया।इसमें कृषि विभाग के खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (धान - चना) योजना अंतर्गत चना बीज का वितरण किया गया। बैकुंठपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुढार एंव ग्राम पंचायत मोदीपारा के किसानों की उपस्थिति में वितरण किया।उल्लेखनीय है कि कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर खाद एवं पोषण सुरक्षा धान- चना योजना के तहत वितरण क्षेत्र मोदीपारा पंचायत के डूभापानी,व बुढार पंचायत क्षेत्र से आए किसानों को चना , सरसों बीज का वितरण किया गया। वहीं कृषि अधिकारियों ने किसानों को सरसों ,चना की उन्नत किस्म के गुणों को रोक प्रतिरोधक क्षमता तथा कम लागत में अधिक उत्पादन के उपाय बताएं।इस दौरान उप संचालक कृषि राजेश कुमार भारती, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती वंदना सिंह श्याम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी टीएस परस्ते, दीपेंद्र पंकज पोते उपस्थित रहे।

विभागीय समीक्षा बैठक अब प्रत्येक सोमवार को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशन में जिले के समस्त विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु हर सप्ताह सोमवार को प्रातः 10:00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। सभी विभागों के अधिकारियों को अपने फील्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा बैठक का विभागवार कार्यक्रम इस प्रकार है दिसम्बर 2025 , 08 दिसम्बर (द्वितीय सोमवार) - स्वास्थ्य विभाग, 15 दिसम्बर (तृतीय सोमवार) - खाद्य, नागरिक आपूर्ति, सहकारिता एवं जिला विपणन, 22 दिसम्बर (चतुर्थ सोमवार) - कृषि एवं संबद्ध विभाग (पशुपालन, उद्यान एवं मत्स्य विभाग), 29 दिसम्बर (अंतिम सोमवार) - महिला एवं बाल विकास विभाग

जनवरी 2026

05 जनवरी (प्रथम सोमवार) - शिक्षा विभाग,12 जनवरी (द्वितीय सोमवार) - आदिम जाति विकास विभाग, जनमन तथा वन अधिकार,19 जनवरी (तृतीय सोमवार) - पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग/ग्रामीण यांत्रिकी सेवा।

फरवरी 2026

02 फरवरी (प्रथम सोमवार) - राजस्व विभाग,09 फरवरी (द्वितीय सोमवार) - लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग(पीएचई), 16 फरवरी (तृतीय सोमवार) -लोक निर्माण विभाग (भवन, सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग) 23 फरवरी (चतुर्थ सोमवार) - नगर पालिक निगम एवं नगर पंचायत लखनपुर।

मार्च 2026

02 मार्च (प्रथम सोमवार) - विद्युत एवं क्रेड़ा विभाग, 09 मार्च (द्वितीय सोमवार) - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, 16 मार्च (तृतीय सोमवार) - जल संसाधन विभाग की समीक्षा की जाएगी।

जनजातीय संस्कृति पर के आर टेक्निकल कॉलेज में भव्य कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। के आर टेक्निकल कॉलेज में जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति केन्द्रित जीवनशैली और वीर नायकों के योगदान को समर्पित एक दिवसीय भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव, पर्यावरण चेतना और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुँचाना था। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक मांदर-वादन, गीत-नृत्य और जनजातीय परिधानों के साथ अतिथियों के स्वागत से हुई। कॉलेज परिसर में प्रदर्शित जनजातीय चिकित्सा-ज्ञान, पारंपरिक व्यंजन, वीर नायकों की

गाथाओं और हस्तशिल्प से सुसज्जित प्रदर्शनी का अवलोकन डायरेक्टर डॉ. रीनू जैन, उपाध्यक्ष राहुल जैन और प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा के नेतृत्व में सभी अतिथियों ने किया। प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा ने सभी अतिथियों का अभिवादन किया और कहा कि जनजातीय समाज की सरलता, सामूहिकता और प्रकृति-सम्मत जीवनशैली आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का आधार है।उन्होंने वीर नारायण सिंह, बिरसा मुंडा, राजमोहिनी देवी और संत गहिरा गुरु जैसे महापुरुषों के संघर्षों का स्मरण कर विद्यार्थियों को संस्कृति-संरक्षण का संकल्प लेने का संदेश दिया। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि सरगुजा की यह भूमि हमारी माता है, जल, जंगल और जमीन जनजातीय जीवन की आत्मा हैंह्व। उन्होंने परंपराओं से दूर होते युवाओं पर चिंता व्यक्त की और कहा कि यदि हम अपनी जड़ों को नहीं पहचानेंगे, तो अपनी पहचान खो देंगे। अपने भाषण में उन्होंने कार्तिक उरांव की प्रतिमा स्थापना को अपने कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि बताया। अंत में उन्होंने उरांव जनजाति का पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। विशिष्ट अतिथि एवं चिंतक संतोष दास ह्यसरल ने अपने सांस्कृतिक उद्बोधन में कहा कि संस्कृति बताई नहीं जाती, जी जाती हैह्व। उन्होंने जनजातीय व्यंजनों, वन-ज्ञान और जड़ी-बूटियों की महत्ता उजागर करते हुए जनजातीय मंत्रालय की स्थापना (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी) और जनजातीय गौरव दिवस (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) के महत्व पर प्रकाश डाला। सरगुजा की महिमा पर उनका प्रसिद्ध गीत सर्ग से सुघर है हमर सरगुजाह्व प्रस्तुत होते ही सभागार तालियों से गूंज उठा। इंद्र भगत ने अपने व्याख्यान में कहा कि सरगुजा विश्वविद्यालय का नाम संत गहिरा गुरु के नाम पर रखा जाना जनजातीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि वीर नारायण सिंह, बिरसा मुंडा, गुंडाधुर, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और संत गहिरा गुरु जैसे महापुरुषों ने 200 वर्षों तक निरंतर अन्याय और कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर समाज को शिक्षा, समानता और स्वाभिमान का मार्ग दिखाया।

राज्यव्यापी शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा 07 दिसम्बर को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, रायपुर के तत्वाधान में राज्यव्यापी शिक्षार्थी आंकलन महापरीक्षा अभियान का आयोजन 07 दिसम्बर 2025, रविवार को प्रातः 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक किया जाएगा। महापरीक्षा की तैयारियों को लेकर कार्यालय जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण, सरगुजा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण डॉ. दिनेश कुमार झा द्वारा की गई। उन्होंने सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं विकासखण्ड परियोजना अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि सरगुजा जिले के लिए 24414 परीक्षार्थियों को साक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित है। समाज के सभी वर्गों से अपील की गई है कि वे अपने आसपास के ऐसे सभी शिक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल कराने में सहयोग करें, जो उल्लास साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से पढ़ना-लिखना सीख रहे हैं। कलेक्टर सरगुजा द्वारा जिला स्तर पर महापरीक्षा की निगरानी हेतु मॉनिटरिंग दल का गठन किया गया है। इनमें डॉ. दिनेश कुमार झा सम्पूर्ण जिला प्रभार, के.सी. गुप्ता- विकासखण्ड बतौली, सर्वजीत पाठक लखनपुर, गिरीश गुप्ता अम्बिकापुर एवं सीतापुर, रविशंकर तिवारी उदयपुर, रमेश सिंह लुण्ड्रा, सुनिल तिवारी मैनपाट साथ ही राज्य स्तर से लोक शिक्षण संचालनालय के अखिलेश तिवारी को भी सरगुजा जिले की मॉनिटरिंग का दायित्व सौंपा गया है।

मशीन ऑपरेटर के पदों पर भर्ती हेतु होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर।जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुरखुर्द अम्बिकापुर द्वारा 11 दिसम्बर 2025, दिन गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्लेसमेंट कैंप में निजी संस्था योकोहामा प्राइवेट लिमिटेड की एच.आर. अधिकारी ममता गायकवाड़ उपस्थित रहेंगी।प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से मशीन ऑपरेटर के 300 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता बी.ए., बी.कॉम, बी.एस.सी., आई.टी.आई. निर्धारित है। योग्य अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 17,500/- वेतन दिया जाएगा। यह भर्ती केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए खुली है।प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होने के लिए रोजगार कार्यालय में अभ्यर्थी का जीवित पंजीयन अनिवार्य है।यह कैंप पूर्णतः निःशुल्क है तथा नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों की जिम्मेदारी नियोजक की होगी।रोजगार कार्यालय इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा। जिले की इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी अपने साथकृशैक्षणिक योग्यता की अंकसूचियाँ,निवास प्रमाण पत्र,पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 11 दिसम्बर 2025, गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे के मध्य जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, गंगापुरखुर्द अम्बिकापुर में आयोजित प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

टोकन से धान तौल तक पूरी प्रक्रिया बिना समस्या के संपन्न-किसान देवाल सिंह पावले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित किए जा रहे हैं, जिसका लाभ किसानों को सीधे मिल रहा है। ग्राम पंचायत खोटिया निवासी किसान देवाल सिंह पावले ने धान उपार्जन केंद्र में अपने अनुभव साझा करते हुए खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। पावले ने बताया कि उनकी 4.5 एकड़ भूमि से 41 क्विंटल का रकबा निकला है। उन्होंने समिति में 41 क्विंटल का टोकन आसानी से कटाया,

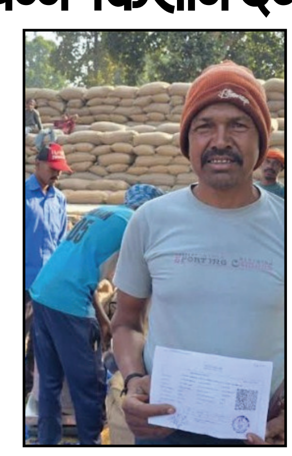

जिसमें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आई। धान उपार्जन केंद्र पहुंचते ही नियम अनुसार नमी परीक्षण, बारदाना उपलब्धता और धान की तौल प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूरी हो गई। उन्होंने कहा कि समिति के कर्मचारी पूर्ण सहयोग कर रहे हैं जिससे किसानों को समस्या नहीं हो रही है।पावले ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों के हित में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और 3100 रुपए प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य देकर किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान की है।धान खरीदी व्यवस्था से संतुष्ट किसान देवाल सिंह पावले ने मुख्यमंत्री तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष की खरीदी व्यवस्था किसान हित में उत्कृष्ट रूप से संचालित की जा रही है।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का अत्यंत प्रेरणादायक एवं जागरूकता आधारित आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मनोज गुप्ता (पार्षद), पवन शर्मा, मुकेशधर दुबे, डॉ. काजल पैंकरा, डॉ. अंजुला मिश्रा, संध्या सिंह, अजय कुजूर, रीता थॉमस, रेड क्रॉस की टीम, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, सेवा भावना से परिपूर्ण था। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती और भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत

पारंपरिक ढंग से पुष्प गुच्छ और स्वागत गीत के साथ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में एच.आई.वी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना, भ्रांतियों को दूर करना और सुरक्षित जीवन शैली अपनाने का संदेश देना है। इसके साथ ही कहा रक्तदान महादान है। रक्तदान से न केवल किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन मिलता है, बल्कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने छात्रों को एड्स के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि एचआईवी/एड्स एक गंभीर बीमारी है, लेकिन इसका संक्रमण सामान्य संपर्क, साथ खाने-पीने, हाथ मिलाने, गले लगाने या वस्तुएँ साझा करने से नहीं फैलता। उन्होंने बताया कि एचआईवी पीड़ितों से सामाजिक दूरी या छुआछूत जैसी भावना रखना गलत है। उन्हें समाज में सम्मान, सहयोग और मानसिक समर्थन की आवश्यकता होती है। उन्होंने सभी को संदेश दिया कि जागरूकता ही एड्स से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.अंजन सिंह ने कहा कि मनुष्य के जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल अपने लिए जीना नहीं, बल्कि समाज के प्रति योगदान देना है। उन्होंने रक्तदान को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा रक्तदान जीवनदान है। यह ऐसा दान है, जिसे देने से दाता का कुछ कम नहीं होता बल्कि वह किसी के जीवन को नया दीपक प्रदान करता है।उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से कहा कि आपातकालीन स्थिति में उपलब्ध रक्त किसी घायल, दुर्घटना पीड़ित, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, कैंसर उपचार या प्रसूता महिला का जीवन बचा सकता है। इसके पश्चात रक्तदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई, जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, प्रशिक्षार्थी, पार्षद एवं सामाजिक कार्यकताओं ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। रक्तदान के लिए विशेष चिकित्सा टीम और सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध थीं। रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जाँच की गई, जिसमे हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, वजन और अन्य परीक्षण शामिल थे। रक्तदान के दौरान प्रशिक्षार्थियों के चेहरे पर सेवा भाव और गर्व की मुस्कान स्पष्ट दिखाई दे रही थी।

कैबिनेट की बैठक में इन महत्वपूर्ण फैसलों पर लिया गया निर्णय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत दी गई। इसके साथ ही उद्योग, शिक्षा और श्रम कानूनों से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिली।

घरेलू उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई बिजली राहत

राज्य में 1 दिसम्बर से लागू मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-ऊर्जा) के तहत अब घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक प्रति माह बिजली बिल में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी।पहले यह सीमा 100 यूनिट थी। यह लाभ 400 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ताओं पर भी लागू होगा। 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत वाले 6 लाख उपभोक्ताओं को अगले एक साल तक 200 यूनिट पर आधे बिल की राहत मिलेगी, ताकि वे इस अवधि में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगवा सकें। सरकार का अनुमान है कि नई व्यवस्था से राज्य के करीब 42 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

सोलर प्लांट पर अतिरिक्त सब्सिडी

सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देने के लिए सरकार 1 किलोवॉट क्षमता के प्लांट पर 15,000 रुपये और 2 किलोवॉट या अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दे रही है।लक्ष्य है कि उपभोक्ता हाफ बिजली से फ्री बिजली की दिशा में आगे बढ़ सकें।

भंडार क्रय नियम में संशोधन

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम 2002 में संशोधन को मंजूरी दी। बदलाव का उद्देश्य स्थानीय लघु और सूक्ष्म उद्योगों को प्रोत्साहन देना और जेम पोर्टल पर क्रय प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाना है।इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और समय व संसाधन बचेंगे।

निजी विश्वविद्यालय और दुकान स्थापना कानून में संशोधन

बैठक में छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप को मंजूरी दी गई। साथ ही छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना संशोधन विधेयक 2025 को भी स्वीकृति मिली।सरकार का कहना है कि इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सम्पादकीय

देश के विकास के लिए संसद चलने दे विपक्ष

देशहित के लिए संसद का चलना बेहद जरूरी है, क्योंकि संसद कानून बनाने, राष्ट्रीय नीतियों पर चर्चा करने और सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए सर्वोच्च मंच है। इसके सुचारू रूप से चलने से ही देश को प्रभावी ढंग से चलाया जा सकता है, लोगों की जरूरतों और चिंताओं को समझा जा सकता है। संसद में आमजन के लिए कानून परित किए जाते हैं, तभी एक विकसित देश की कल्पना साकार होती है। लेकिन देखने में आ रहा है कि विपक्ष हर बार संसद में हंगामा कर समय खराब कर देता है। इससे न सिर्फ देशहित, बल्कि आमजन के मुद्दे भी गौण हो जाते हैं। कानून पारित नहीं हो पाते हैं, जिसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ता है। सोमवार से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है, लेकिन विपक्ष ने पहले ही दिन एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। संसद को नहीं चलने दिया। 19 दिसंबर तक चलने वाले कुल 15 बैठकों वाले इस सत्र में केंद्र सरकार संभवतः 14 बड़े विधेयक पेश करने जा रही है, जिन पर सरकार पूर्ण बहुमत के साथ पारित करवाने पर जोर देगी। इसमें असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने से लेकर कॉर्पोरेट और बीमा कानूनों में बदलाव तक कई अहम प्रस्ताव शामिल हैं। इन सभी का लाभ लोगों को मिलना है। अगर विपक्षी दल ऐसे ही हंगामा करते रहे तो ये बिल कैसे संसद में पेश हो पाएंगे और लोगों को कैसे इसका लाभ मिल पाएगा। रविवार को सर्वदलीय बैठक के बाद सोमवार को भी सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि वह सभी मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार है, लेकिन विपक्ष संसद को चलने दे। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि संसद 'ड्रामा' करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाया जाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए। यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने कहा कि 'हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है।' वहीं, कांग्रेस का आरोप है कि सरकार सत्र छोटा रखकर संसद को 'डिरेल' करना चाहती है। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सभी दलों के नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने कहा कि सर्दियों का मौसम है, उम्मीद है सब लोग ठंडे दिमाग से काम करेंगे। बहस हो, लेकिन व्यवधान नहीं। शांत माहौल देश के लिए फायदेमंद होगा और संसद सुचारू चलेगी। संसद में सभी जरूरी मुद्दों पर सार्थक बहस होनी चाहिए, ताकि सभी को कानूनों का लाभ मिल सके और आमजन के मुद्दों को उठाने, जनहित में कानून पास करवाने और देश के विकास के लिए संसद का चलना बेहद जरूरी है। बीते कुछ वर्षों से धारणा बनी है कि सदन चलाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की है, जबकि सदन दोनों पक्षों की सहमति और जिम्मेदारी है। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ठीक ही लिखा था कि संसदीय प्रणाली में न केवल सशक्त विरोधी पक्ष की आवश्यकता होती है, बल्कि सरकार और विरोधी पक्ष के बीच सहयोग भी आवश्यक होता है। हम जहां तक ऐसा करने में सफल होंगे, वहां तक हम संसदीय जनतंत्र की ठोस नींव रखने में सफल होंगे।

मुद्दा
मनोज कुमार अग्रवाल

सोनिया-राहुल के गले की फांस बना हेराल्ड

नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आर्थिक अपराध शाखा ने राहुल और सोनिया समेत 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपों के मुताबिक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति महज 50 लाख रुपये में हड़प ली गई थी। इस मामले में एजेएल ने 6 लोगों और 3 कंपनियों को आरोपी बनाया है। नेशनल हेराल्ड केस की जांच कर रही ईडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने केस दर्ज किया है। कांग्रेस से जुड़ी एसोसिएटेड जर्नल्स को धोखाधड़ी से कब्जाने की साजिश का आरोप लगा है।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और उनके बेटे एवं लोकसभा सांसद राहुल गांधी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती दिखाई दे रही हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने नेशनल हेराल्ड केस में मामला दर्ज किया है। आरोपों के मुताबिक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति 50 लाख रुपये में खरीदी गई थी। इस मामले में दोनों नेताओं के खिलाफ अब दिल्ली पुलिस ने नई प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें सोनिया और राहुल के अलावा कुल छह अन्य लोगों और तीन कंपनियों के नाम शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आर्थिक अपराध शाखा ने राहुल और सोनिया गांधी समेत 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपों के मुताबिक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिडेट की दो हजार करोड़ रुपये की संपत्ति महज 50 लाख रुपये में हड़प ली गई थी। इस मामले में एजेएल ने 6 लोगों और 3 कंपनियों को आरोपी बनाया है। नेशनल हेराल्ड केस की जांच कर रही ईडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने केस दर्ज किया है। कांग्रेस पार्टी से जुड़ी एसोसिएटेड जर्नल्स को धोखाधड़ी से कब्जाने की साजिश का आरोप लगा है।

सूत्रों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड केस की जांच पूरी करने के बाद अपनी रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को सौंपी थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के स्वामित्व वाली संस्था एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) का अधिग्रहण धोखाधड़ी के जरिए किया गया। एसोसिएट जर्नल की कुल संपत्ति लगभग 2000 करोड़ रुपये बताई गई है। यह अधिग्रहण यंग इंडियन के माध्यम से किया गया था, जिसमें गांधी परिवार की 76 फीसदी हिस्सेदारी बताई जाती है। आपको बता दें कि नई एफआईआर में सोनिया और राहुल गांधी के अलावा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा और तीन अन्य व्यक्तियों के नाम भी दर्ज किए गए हैं। जिन कंपनियों को एफआईआर में शामिल किया गया है, उनमें एजेएल, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। एफआईआर में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इडी ने 9 अप्रैल, 2025 को सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और डोटेक्स के प्रमोटर के खिलाफ नेशनल हेराल्ड/एसोसिएटेड जर्नल्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक चार्जशीट दायर की थी। यहां आपको बता दें कि ताज़ा एफआईआर में सोनिया गांधी (आरोपी संख्या 1) राहुल गांधी (आरोपी संख्या 2) सुमन दुबे (आरोपी संख्या 3) सैम पित्रोदा (आरोपी संख्या 4) मेसर्स यंग इंडियन (आरोपी संख्या 5) मेसर्स डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड (आरोपी संख्या 6) सुनील भंडारी (आरोपी संख्या 7) बनाए गए हैं। आरोप है कि कोलकाता स्थित तीन फर्जी कंपनियों के माध्यम से यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपये दिए गए और सिर्फ 50 लाख रुपये में एसोसिएट जर्नल का अधिग्रहण किया गया, जबकि एसोसिएट जर्नल की संपत्ति 2,000

करोड़ रुपये आंकी गई है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस जल्द ही एजेएल के शेयरधारकों से पूछताछ कर सकती है। गांधी परिवार पर आरोप है कि इस संपत्ति को हड़पने के लिए यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड नाम की फर्जी का इस्तेमाल किया गया। ये कंपनियां कथित तौर पर कोलकाता की एक शेल कंपनियां हैं, जिसने यंग इंडिया को एक करोड़ रुपये दिए थे, जिससे गांधी परिवार ने कांग्रेस को 50 लाख रुपये देकर एसोसिएट जर्नल को कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति खरीदने के लिए कहा था।

गौरतलब है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1938 में नेशनल हेराल्ड अखबार की शुरूआत की थी। इसकी संपत्ति दिल्ली, मुंबई, लखनऊ समेत कई शहरों में फैली थी। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी अखबार के प्रबंधन का जिम्मा संभालती थी। आरोपों के मुताबिक जिस वक्त नेशनल हेराल्ड की संपत्ति गांधी परिवार को महज 50 लाख रुपये में बेची गई उस वक्त उसकी कीमत 2,000 करोड़ रुपये थी। पता रहे नेशनल हेराल्ड केस में 2008 से 2014 के बीच मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। वर्ष 2014 में भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की निजी शिकायत के आधार पर दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लिया था। 9 अप्रैल को गांधी परिवार समेत अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आपको बता दें गांधी परिवार ने पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट दोनों में चुनौती दी, लेकिन अदालतों ने कोई राहत नहीं दी। चूंकि यह मामला हजारों करोड़ की एजेएल की संपत्तियों और शेयरों के रूप में अपराध की आय बनाने, कब्जे और उपयोग से संबंधित है, इसलिए 752 करोड़ मूल्य की एजेएल की संपत्तियों को सुरक्षित करने के लिए इडी ने 20 नवंबर 2023 को अटैच करने का आदेश जारी किया था, जिसकी निर्णायक प्राधिकारी ने पुष्टि कर दी है। इडी की जांच रिपोर्ट आयकर विभाग के यंग इंडियन के मामले में 27 नवंबर 2017 के आदेश को और आगे बढ़ाती है। 2017 में, आईटी विभाग ने यंग इंडियन के हाथों एजेएल की संपत्तियों के अवैध अधिग्रहण पर 414 करोड़ रुपये से अधिक की बड़ी टैक्स चोरी पाई थी। हालांकि इडी के आरोपों को कांग्रेस पार्टी लंबे समय से खारिज करती आ रही है। कांग्रेस का कहना है कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी बीजेपी एजेंसियों का इस्तेमाल कर गांधी परिवार को परेशान कर रही है। कांग्रेस ने लगातार आरोपों को गलत बताया है और इडी पर सरकार के कहने पर राजनीतिक चाल चलने का आरोप लगाया है। दूसरी तरफ, बीजेपी इसे कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार का भ्रष्टाचार बताती रही है। भाजपा तो शुरू से ही कहती आई है कि कांग्रेस के नेताओं ने बड़े_बड़े घोटालों को अंजाम दिया है और देश को लूटने का काम किया है। अब नेशनल हेराल्ड मामले में संसद सत्र शुरू होने से ठीक पहले नई एफआईआर दर्ज होना भाजपा द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को बल दिया है। वहीं संसद सत्र के समय सत्तापक्ष के हाथों कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एक और बड़ा मुद्दा दे दिया है। देश के राजनीतिक हलके में ताजा एफआईआर से हड़कंप मच गया है कयास लगाए जा रहे हैं कि राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले के आगे बढ़ने पर नेता प्रतिपक्ष पद भी छोड़ना पड़ सकता है। संभावना है कि अब सरकार विपक्ष पर हावी होने के लिए नई स्टेट्रजी बना कर काम कर रही है और जल्द ही कुछ अहम बिल सरकार संसद में लाएगी और अपने अजेंडा को प्रभावी बनाएगी। वहीं, इस एफआईआर के बाद चर्चा है कि कांग्रेस बैकफुट पर दिखाई देगी। अब देखना है कि संसद सत्र में क्या होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

मेजबानी
रोहित माहेश्वरी

ओलंपिक की मेजबानी वाया राष्ट्रमंडल गेम्स

दुनियाभर में खेलों को लेकर अलग ही रोमांच देखने को मिलता है, क्योंकि खेल के मैदान में खिलाड़ियों के धैर्य, ताकत और हौसले की काबिले तारीफ जुगलबंदी देखने को मिलती है। इस संदर्भ में बात करें तो इस बार भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी का अधिकार मिल गया है, जिसमें अहमदाबाद को मेजबान शहर घोषित किया गया है। यह ऐतिहासिक घोषणा 26 नवंबर को ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की महासभा में की गई। भारत ने पिछली बार 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी। कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किसी भी देश के लिए सिर्फ खेल आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि, विकास क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर और विजन का प्रतीक माना जाता है। अब तक ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, कनाडा और न्यूजीलैंड सहित कुल 9 देश इसकी मेजबानी कर चुके हैं। भारत को दूसरी बार मेजबानी के अधिकार मिले हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलने से ओलंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी और मजबूत होगी। भारत 2036 के ओलंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने लाल किले से इसका ऐलान भी किया था। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। साल 2029 में विश्व पुलिस खेल की मेजबानी की भी तैयारी की जा रही है। भारत ने वर्ष 2010 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में कुल 101 पदक जीते थे, जिसमें 38 स्वर्ण शामिल थे। इनमें से 30 पदक सिर्फ शूटिंग से आए थे। वर्ष 2022 में भारत ने कुल 61 पदक जीते, जिनमें 22 स्वर्ण शामिल थे। बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेल में शूटिंग को शामिल नहीं किया गया था। कॉमनवेल्थ गेम्स का इतिहास बेहद दिलचस्प है। यह एक मल्टी-स्पोर्ट्स अंतरराष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें ब्रिटिश शासन वाले देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। फिलहाल, इसमें 54 सदस्य देश हैं। इन गेम्स की शुरुआत 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर से हुई थी। पहले इसे ब्रिटिश एम्पायर गेम्स कहा जाता था। 1978 से इसका नाम 'कॉमनवेल्थ गेम्स' हो गया। 2030 के आयोजन में कॉमनवेल्थ गेम्स को 100 साल पूरे होंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भारत की आर्थिक उन्नति, आधारभूत ढांचे, खेल की व्यवस्थाओं की बड़ी सफलता की शुरुआत है। अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के आयोजन के लिए तैयारियां पहले से ही शुरू हो चुकी हैं। यहां खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की तैयारी जोर-शोर पर है। मुख्य वेन्यू के तौर पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नारणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव को प्रस्तावित किया है। भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपये खर्च होने का था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं, जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में 70 से अधिक देश भाग लेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यह खेल प्रतिस्पर्धा काफी बड़े पैमाने पर आयोजित की जाएगी। ऐसे में इस खेल आयोजन को सफल बनाने के लिए जो भी व्यवस्था की जाएगी, वह उच्च स्तरीय होनी चाहिए, ठीक वैसी जैसी ओलंपिक के दौरान होती है। इस तरह की खेल सुविधाएं-जिन्हें सस्टेनेबल स्पोर्ट्स इकोसिस्टम कहते हैं-विशेषकर जो हमारे युवा वर्ग हैं, उन्हें खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस इकोसिस्टम के तहत जब हमारे युवा खिलाड़ी तैयार होकर निकलेंगे, तो उन्हें बहुत लाभ मिलेगा। हालांकि एक तथ्य यह भी है कि जो खिलाड़ी कॉमनवेल्थ 2030 में खेलेंगे, उनमें से 70-80 प्रतिशत ओलंपिक 2036 में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उनकी उम्र अधिक हो चुकी होगी। यहां सरकार की जवाबदेही भी काफी बढ़ जाती है। समय पर उच्च स्तरीय अवसंरचनाओं का निर्माण करना कोई हंसी-खेल नहीं है। इसके लिए युद्धस्तर पर तैयारी करनी होगी। तैयारी में किसी तरह की कोई कमी न रहे, इसकी निगरानी करनी होगी। जब हम ऐसा करेंगे तभी जाकर सच्चे अर्थों में 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी कर पाने में सक्षम हों पायेंगे, क्योंकि ओलंपिक में 200 से अधिक देश भाग लेते हैं। इस आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद होनी चाहिए। इसमें तनिक भी चूक देश की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला देगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

रिलेशनशिप को रखना है स्ट्रांग, तो इन बातों की बांध लें गांठ

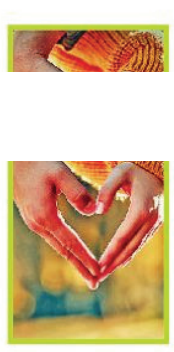

संकलित
दर्शन

किसी संबंध का आरंभ आकर्षण से होता है। यदि आप आसानी से उसे प्राप्त कर लेते हैं, तो आकर्षण समाप्त हो जाता है। किंतु यदि प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होती है तो उसके प्रति प्रेम का जन्म होता है। जब आप प्रेम का अनुभव करते हैं तो कुछ समय के पश्चात मांग उठती है। जब आप मांगना शुरू करते हैं, तो प्रेम घट जाता है। मांग प्रेम को नष्ट कर देती है। आनंद दूर हो जाता है, तो आप कहते हैं, 'ओह, मैंने यह संबंध बनाकर भूल की है।' फिर उससे बाहर निकलने के लिए संघर्ष और पीड़ा से गुजरना पड़ता है। इससे बाहर निकलने के बाद आप एक अन्य संबंध बनाते हैं, और वही कहानी दोहराई जाती है। किसी भी संबंध को बनाए रखने में तीन बातें आवश्यक हैं : समुचित धारणा, समुचित अवलोकन और समुचित अभिव्यक्ति। अक्सर लोग कहते हैं कि कोई भी उन्हें नहीं समझता है। कोई भी मुझे नहीं समझता है, ऐसा कहने के बजाय आप कह सकते हैं कि मैं स्वयं को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाता हूं। यदि आप एक स्पेनिश व्यक्ति से रूसी भाषा बोलते हैं, तो वह निश्चित रूप से नहीं समझेगा। सही धारणा तब हो सकती है, जब आप स्वयं को दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण से देखते हैं। सही धारणा, फिर सही अवलोकन। आपकी धारणा समुचित हो सकती है, लेकिन आप प्रतिक्रिया किस प्रकार देते हैं? आप अपने भीतर कैसा अनुभव करते हैं? अपने स्वयं के मन का निरीक्षण करना दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। आपके भीतर संवेदना तथा प्रवृत्तियों के अवलोकन के साथ संस्कारों का अवलोकन भी आवश्यक है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

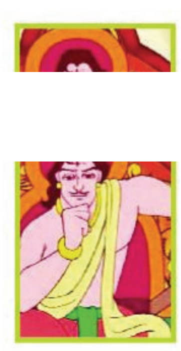

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महीने बीत गए, मगर राजा को कोई लाभ नहीं हुआ। गुरु तो रोज खूब मेहनत करता थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया: राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुवर कृपा कर के आप शीघ्र इस प्रश्न का उत्तर दीजिए, राजा ने विनती की। गुरूजी ने कहा: राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहाँ पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊँचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है।

अंतर्मन

आज की पाती

आतंक पर निर्णायक सख्ती जरूरी

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएं केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को गंभीर खतरे के रूप में लिया। - **मनोज त्रिपाठी**, धमतरी

ट्रेंड

नगालैंड के लोगों को बधाई

नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई! समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर नगालैंड सतत विकास में सराहनीय प्रगति कर रहा है। लोगों के उज्ज्वल, समृद्ध और शांतिपूर्ण भविष्य' की कामना। **-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

ये मेरा विश्वास

शीतकालीन सत्र सिर्फ एक परम्परा नहीं है, ये राष्ट्र को प्रगति की ओर तेज गति से आगे ले जाने का प्रयास है। ये जो प्रयास चल रहे हैं, उसमें ऊर्जा भरने का ये शीतकालीन सत्र काम करेगा। मेरा यह दृढ़ विश्वास है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीपीएस स्पूफिंग हुई

जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं तब हुई जब विमान आईजीआई के रनवे 10 पर जीपीएस बेस्ड लैंडिंग प्रोसेस का यूज कर रहे थे। विमानों को गलत और धोखा देने वाले नेविगेशन सिग्नल मिले। इस स्पूफिंग का दूसरे रनवे पर कोई असर नहीं हुआ, क्योंकि उन पर ट्रेडिशनल ग्राउंड बेस्ड नेविगेशन सिस्टम यूज किया जाता है। **-किंजरापु राममोहन नायडू, केंद्रीय मंत्री**

बीएलओ को ट्रेनिंग नहीं दी

चुनाव आयोग ने बीएलओ को ट्रेनिंग नहीं दी। उसने गड़बड़ियों को सही नहीं किया। वोटर रोल अपडेट नहीं है। बिना प्लान के एसआईआर से 40 लोगों की मौत हुई। सरकार की जवाबदेही कहां है। इस मामले में चुनाव आयोग व सरकार को जवाब देना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है।

-अभिषेक बनर्जी, टीएमसी सांसद

करंट अफेयर

ईसा पर बनी दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ओसेना ने बताया, ''मुझे इस पेंटिंग को देखकर तुरंत एक एहसास हुआ और मैंने इसे प्रमाणित करवाने के लिए हर संभव प्रयास किया और अंत में हम इसे एंटवर्प स्थित रूबेन्स समिति 'रुबेनियानम' से प्रमाणित करवाने में सफल हुए।'' रूबेन्स पर शोध के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञ निल्स ब्यूटनर ने नीलामी से पहले बताया कि मशहूर कलाकार ने सूली पर चढ़ाए जाने के दृश्य अक्सर चित्रित किए लेकिन ''उन्होंने बहुत कम अवसरों पर सूली पर मृत अवस्था में ईसा मसीह को दर्शाया।' उन्होंने कहा, ''यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते हुए दिखाया गया है और रूबेन्स ने इसे सिर्फ एक बार बनाया था।''

ऑफ बीट

पहले गठिया सिर्फ अमीरों की बीमारी थी; अब आम

गठिया 'क्रिस्टल आर्थ्रोपेथी' समूह का एक रोग है, जो जोड़ों और मुलायम ऊतकों में 'क्रिस्टल' जमने के कारण होता है। गठिया तब विकसित होता है, जब खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है और यह जोड़ों में पहुंचकर सुई-नुमा 'क्रिस्टल' का रूप अख्तियार कर लेता है, जिससे तीव्र दर्द और सूजन की शिकायत सताती है। यह आमतौर पर पैर के अंगूठे से शुरू होता है और इसमें त्वचा पर हल्का-सा स्पर्श भी अक्सर असहनीय लगता है। गठिया के कुछ मरीज अपने पैर के ऊपर एक विशेष पिंजरा रखकर सोते हैं, जिससे चादर सीधे उनके पैर पर नहीं पड़ती, क्योंकि वे प्रभावित जोड़ों पर चादर का भार भी सहन करने की स्थिति में नहीं होते। गठिया अन्य जोड़ों को भी प्रभावित कर सकता है। यह 'टोफी' (नरम ऊतकों या जोड़ों के पास की हड्डियों में मोनोसोडियम यूरेट का पत्थर जैसा जमाव) विकसित होने का कारण बन सकता है। गठिया का निदान असहनीय दर्द, प्रभावित जोड़ों में और उनके आसपास सूजन तथा लालिमा जैसे आम लक्षणों पर आधारित है। सूजे हुए जोड़ से लिए गए तरल पदार्थ की माइक्रोस्कोप से जांच किए जाने के दौरान 'क्रिस्टल' दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा, रक्त परीक्षण में आमतौर पर यूरिक एसिड का स्तर बढ़ा हुआ मिलता है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम कमलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामकुमार दुबे आ. राजाराम, जाति-ब्राम्हण, निवासी ग्राम गणेशपुर तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कमलपुर, प.ह.नं. 22, रा.नि.मं. पिलखा, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 591/1 रकबा 0.18 हे., कृषि भूमि को व्यवासायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 21/11/25 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोपाडीलाल पिता,, जंगसाय जाति रजवार निवासी ग्राम रगदा

प.ह.न. 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व.गेदीबाई का मृत्यु दिनांक 03/03/2014 को ग्राम रगदा में हुई है. अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माता स्व.गेदीबाई का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत रगदा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक. 08/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान
जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

रक्षा मंत्री राजनाथ ने गुजरात के सडली में किया बड़ा दावा

सरकारी पैसों से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे नेहरू, सरदार पटेल के प्रस्ताव ने उन्हें रोका

पटेल ने तुष्टिकरण की राजनीति कभी नहीं की

नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से यानी सरकारी पैसों अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ने दिया। गुजरात के सडली गांव में आयोजित 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पटेल की भूमिका और उनके विचारों को विस्तार से बताया।राजनाथ सिंह ने कहा कि नेहरू ने सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन पटेल ने साफ मना कर दिया।

उन्होंने आगे दावा किया कि नेहरू ने पटेल के निधन के बाद उनके स्मारक के लिए जनता द्वारा जुटाए गए धन को कुएं और सड़कों के निर्माण में खर्च करने का सुझाव दिया था, जो उनकी विरासत को दबाने की कोशिश थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पटेल सच्चे अर्थों में उदार और निष्पक्ष नेता थे, जिन्होंने कभी भी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे, लेकिन सरदार पटेल ने इसे रोक दिया। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार पटेल की एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सोच को आगे बढ़ा रही है।

गुजरात के सडली गांव में 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में पटेल की भूमिका को बताया

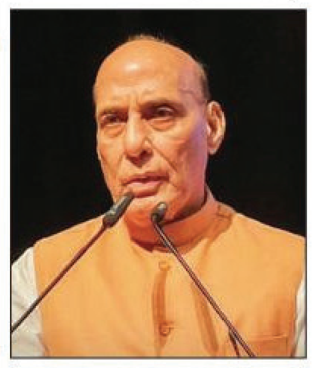

कुछ राजनीतिक ताकतों ने पटेल की विरासत को दबाने की कोशिश की

रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतों ने वर्षों तक पटेल की विरासत को दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनवाकर पटेल को वह सम्मान दिलाया जो उन्हें पहले मिलना चाहिए था। सिंह ने आरोप लगाया कि नेहरू ने खुद को भारत रत्न दिया, लेकिन पटेल को उस समय यह सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट दिखाता है कि उस समय उनकी विरासत को नजरअंदाज किया गया।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया

कार्यक्रम में राजनाथ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया था, क्योंकि पूरा धन जनता से आया था। उन्होंने कहा कि इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर भी पूरी तरह जनता के सहयोग से बना है और यह वास्तविक धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण है। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस के 1946 के अध्यक्ष चुनाव में अधिकतर प्रस्ताव पटेल के पक्ष में थे, लेकिन महात्मा गांधी के अनुरोध पर पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू अध्यक्ष बने, जिसके बाद वह प्रधानमंत्री बने।

कश्मीर के विलय पर पटेल की सलाह मान ली जाती तो ...

राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर के विलय पर पटेल की सलाह मान ली जाती तो कश्मीर समस्या लंबे समय तक देश के लिए बोझ नहीं बनती। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पटेल ने कड़े कदम उठाए, जैसे हैदराबाद के विलय में किया गया सख्त निर्णय। सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने भी ऑपरेशन सिंदूर में इसी मजबूत रुख का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भारत किसी को उकसाता नहीं, लेकिन उकसाए जाने पर जवाब देना अच्छी तरह जानता है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश

सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाना आसान नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री ने यह कदम उठाकर कश्मीर को सही मायनों में भारत से जोड़ा। भारत आज दुनिया में अपनी शर्तों पर बात कर रहा है और तेजी से आर्थिक व सामरिक शक्ति बन रहा है। उन्होंने कहा कि पटेल का सपना 'वन इंडिया, बेस्ट इंडिया' अब मजबूत रूप में साकार हो रहा है। 'यूनिटी मार्च' सरदार पटेल के 150वें जन्म वर्ष पर करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक आयोजित किया गया है।

सवाल से ट्रेनी आईएएस हो गए हैरान

देहरादून। उत्तराखंड के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 600 से अधिक आईएएस तैयार हो रहे हैं। हाल ही में एलबीएसएनएए में 100वें फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह हुआ। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस दौरान ट्रेनी आइएएस को शुभकामनाएं दीं। सब सही चल रहा था, लेकिन प्रोग्राम के बीच गणित के एक सवाल कुछ देर के लिए सभी को हैरान कर दिया। रक्षा मंत्री ने मंच से कहा कि समाज के चैलेंज से निपटने में आपका बहुत बड़ा रोल है। आपको सिर्फ कानूनों और नियमों के लेटर या टेक्स्ट को ही ध्यान में रखकर काम नहीं करना है, बल्कि उनकी स्पिरिट को भी ध्यान में रखकर काम करना है।

चुनाव से पहले ममता का रिपोर्ट कार्ड

14 साल के हिसाब में खेला 2 करोड़ नौकरी वाला दांव

नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी चुनावी मोड में आ चुकी हैं। ममता ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के 14 साल के शासन के दौरान राज्य में दो करोड़ से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

वर्ष 2011 से सत्ता में कायम अपनी सरकार के प्रदर्शन का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल केंद्र द्वारा धन रोके जाने से पहले मनरेगा, ग्रामीण आवास, ग्रामीण सड़क निर्माण में लगातार चार बार देश में शीर्ष पर रहा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर निशाना साधते हुए बेनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 10,000 रुपए बांटे, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद बुलडोजर चला दिए।

केंद्र ने नहीं किया भुगतान फिर भी कार्य नहीं रुके

बंगाल की सीएम ममता ने कहा कि केंद्र द्वारा राज्य का बकाया भुगतान नहीं किए जाने के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार ने अपनी विकास गतिविधियां जारी रखीं। हमने नौ करोड़ लोगों को कवर करने वाली 'खाद्य साथी' खाद्य सुरक्षा योजना पर एक लाख करोड़ रुपए और सात करोड़ लोगों के लिए 'दुआरे राशन' पर 1,717 करोड़ रुपए खर्च किए। बेनर्जी ने दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले 14 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में बजटीय आवंटन छह गुना बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल अब विभिन्न क्षेत्रों में शेष भारत के लिए एक आदर्श बन गया है।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

ममता के मुताबिक वर्तमान में 2.2 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं को लक्ष्मी भंडार से मासिक सहायता मिल रही है। पिछले 14 वर्षों में 99 लाख से ज़्यादा अतिरिक्त परिवारों को पेयजल कनेक्शन मिले हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर निशाना साधते हुए बेनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में 10,000 रुपए बांटे, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद बुलडोजर चला दिए।

एसआईआर ड्यूटी के मृतक कर्मियों को 2 लाख देगी सरकार

बेनर्जी ने उन 39 लोगों के परिवारों के लिए वित्तीय मदद का ऐलान किया, जिनकी एसआईआर ड्यूटी के दौरान मौत हो गई थी या फिर उन्होंने तनाव में आकर आत्महत्या कर ली थी। बेनर्जी ने कहा कि इन 39 दुखी परिवारों में से हर एक को 2 लाख रुपए मिलेंगे, जिसमें 4 बूथ लेवल ऑफिसर भी शामिल हैं।

रोहिंग्याओं पर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

घुसपैठियों के लिए भी रेड कार्पेट चाह रहे,अर्जी को किया खारिज

अदालत ने पीआईएल पर

तल्ख टिप्पणी की

नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। दरअसल, याचिका में कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों के लापता होने को लेकर चिंता जाहिर की गई थी और इस मामले में केंद्र को निर्देश देने की अपील की गई। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में सुनवाई को टाल दिया।

कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों के लापता होने को लेकर जताई थी चिंता

आपको नहीं मालूम- गैरकानूनी रह रहे

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तीखी टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप जानते हैं वे घुसपैठिए हैं। भारत के उत्तरी बॉर्डर बहुत संवेदनशील हैं। देश में क्या हो रहा है। अगर कोई यहां गैरकानूनी ढंग से आया है, तब भी आप उनके लिए रेड कार्पेट चाहते हैं। वे सुरंगों के जरिए घुसते हैं और फिर आपके खाने, निवास के अधिकारी, बच्चों की शिक्षा आदि के अधिकारी हो जाते हैं। क्या हम कानून का दायरा इस तरह खींचना चाहते हैं? ऐसे मामलों में बंदी प्रत्यक्षीकरण (हीबस कॉर्पस) जैसी मांगें करना काफी काल्पनिक बात है।

बंगाल पुलिस का फरमान

72 घंटे के अंदर राज्य छोड़ो, थमाया अल्टीमेटम

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के कई मुस्लिम युवक सालों से ओडिशा के नयागढ़ और आसपास के जिलों में कारोबार करते हैं। ये लोग वहां अपने दोपहिया वाहनों पर गांव-गांव और शहर-शहर जाकर कंबल, मच्छड़दानी और ऊनी कपड़े बेचते हैं। आपस में ये लोग बांग्ला में बात किया करते थे, यही बात वहां की पुलिस को नागवार लग गई। पुलिस ने उन्हें रोहिंग्या और बांग्लादेशी बताकर 72 घंटे के अंदर ओडिशा छोड़ने का फरमान थमाया है। उधर, ओडागांव पुलिस ने पिछले हफ्ते 4 मुस्लिम युवकों को ओडिशा छोड़ने का आदेश दिया था।

ट्रायल में देरी हैरान करने वाला मामला

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली दंगे से जुड़े मुकदमे पर सुनवाई के दौरान गुलफिशा फातिमा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरोपी लगभग छह साल जेल में बिता चुकी हैं। सिंघवी ने कहा कि ट्रायल में देरी हैरान करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये काफी हैरान करने वाला मामला है।

सीएम रेड्डी के बिगड़े बोल

हिंदू देवताओं का उड़ाया मजाक एक भगवान पियक्कड़ों के...

नई दिल्ली,

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अपने बयान पर विवाद में फंसते दिखाई दे रहे हैं।

आरोप है कि रेड्डी ने हिंदू धर्म में कई भगवान होने का मजाक उड़ाया है। इसको लेकर भाजपा और बीआरएस ने उनसे तुरंत माफी मांगने को कहा है। रेड्डी एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने हिंदू धर्म में कई भगवान होने का मजाक उड़ाया और यहां तक बोल गए कि हनुमान अविवाहित लोगों के भगवान हैं। रेड्डी ने कहा कि हिंदू कितने सारे भगवान में विश्वास करते हैं? करीब तीन करोड़? आखिर इतने सारे भगवान क्यों? उन्होंने कहा कि इनके यहां तो अविवाहित लोगों का भी एक भगवान है। जिन लोगों ने दो बार विवाह किया है, उनके लिए एक और भगवान हैं। जो शराब पीते हैं उनके लिए एक अलग भगवान है। उन्होंने कहा मुर्गियों की बलि चढ़ाने के लिए दूसरा भगवान और दाल-चावल के लिए दूसरा भगवान। हर ग्रुप का अपना एक अलग भगवान है। भाजपा नेता प्रवीण ने कहा कि रेड्डी के बयान से प्रदेश के सभी हिंदू खुद को शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं।

एनएमएमसी ने प्रदूषण विरोधी अभियान तेज किया, सर्दियों में स्वच्छ हवा के लिए सार्वजनिक सलाह जारी की

नवी मुंबई : नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) ने शहर भर में प्रदूषण विरोधी पहल को तीव्र किया है और नागरिकों से सर्दियों के महीनों के दौरान वायु प्रदूषण में वृद्धि को रोकने के उद्देश्य से उपायों का समर्थन करने की अपील की है। यह नागरिक कार्रवाई नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में की गई है, जिन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को व्यापक सफाई और धूल नियंत्रण अभियान चलाने का निर्देश दिया था। इस अभियान के तहत, वार्ड कार्यालयों ने गहन सफाई अभियान शुरू कर दिया है, प्रमुख सड़कों से मिट्टी और मलबा हटाया जा रहा है और सड़कों को उपचारित पानी से धोया जा रहा है।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी डौरा-कोचली, जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०)

क्रमांक/541/वाचक/जन्म-मृत्यु/तह०/2025
डौरा-कोचली दिनांक 10/10/2025

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० ब-121/2025-26

एतद द्वारा आम जनता ग्राम सीतारामपुर ग्राम पंचायत सीतारामपुर पुलिस थाना पस्ता प०ह०नं० 16 रा०नि०सं० पस्ता तहसील डौरा-कोचली जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०) को सूचित किया जाता है। कि आवेदक उपकार सिंह आ० रामधनी जाति खैरवार निवासी ग्राम सीतारामपुर, पुलिस थाना पस्ता, प०ह०नं०- 16 राजस्व निरिक्षक मण्डल पस्ता तहसील डौरा-कोचली, जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०) के द्वारा आवेदक अपने स्वंय के फुफा स्व० छत्रपति आ० रामखेलावन का मृत्यु दिनांक 09.07.2021 को ग्राम सीतारामपुर में मृत्यु होने के कारण आवेदक द्वारा मृत्यु-प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु ग्राम पंचायत सीतारामपुर से प्रदाय किये जाने हेतु आवेदक अपने आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, ईश्तहार शुल्क, आधार कार्ड की छायाप्रति, परिचय पत्र एवं चालान की प्रति संलग्न कर आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।अतएव उपरोक्त के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा वैध अभिकर्ता एवं अभिभाषक के द्वारा न्यायालय में दिनांक 28/10/2025 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 10/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पद मुद्रा से जारी

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
डौरा कोचली
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका उर्मिला देवी पति अशोक अग्रवाल, उम्र-59 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी खरसिया रोड, अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि आवेदिका द्वारा अनावेदिका गंगादेवी पिता विश्वनाथ सिंह पति स्व. जगदेश्वर प्रताप सिंह. उम्र 79 वर्ष, निवासी बाबूपास जेल रोड अम्बिकापुर के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 09. मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3465/1, 3465/7 रकबा क्रमशः 1742.4. 7187.4 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 30.09.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा नजूल भूमि के अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-19/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-03/12/2025 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका वन्दना सिंह तोमर पति श्री रविन्द्र सिंह तोमर, उम्र-57 वर्ष, जाति क्षत्रिय, निवासी बाबूपारा जेल रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदिका गंगादेवी पिता विश्वनाथ सिंह पति स्व. जगदेश्वर प्रताप सिंह, उम्र-79 वर्ष, निवासी बाबूपारा जेल रोड अम्बिकापुर के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 09. मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3465/9, 3464/1 कुल रकबा क्रमशः 0.10, 0.02 एकड भूमि का पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 07 11.2025 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-03/12/2025 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी डौरा-कोचली, जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०)

क्रमांक/541/वाचक/जन्म-मृत्यु/तह०/2025
डौरा-कोचली दिनांक 10/10/2025

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० ब-121/2025-26

एतद द्वारा आम जनता ग्राम सीतारामपुर ग्राम पंचायत सीतारामपुर पुलिस थाना पस्ता प०ह०नं० 16 रा०नि०सं० पस्ता तहसील डौरा-कोचली जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०) को सूचित किया जाता है। कि आवेदक उपकार सिंह आ० रामधनी जाति खैरवार निवासी ग्राम सीतारामपुर, पुलिस थाना पस्ता, प०ह०नं०- 16 राजस्व निरिक्षक मण्डल पस्ता तहसील डौरा-कोचली, जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०) के द्वारा आवेदक अपने स्वंय के फुफा स्व० छत्रपति आ० रामखेलावन का मृत्यु दिनांक 09.07.2021 को ग्राम सीतारामपुर में मृत्यु होने के कारण आवेदक द्वारा मृत्यु-प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु ग्राम पंचायत सीतारामपुर से प्रदाय किये जाने हेतु आवेदक अपने आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, ईश्तहार शुल्क, आधार कार्ड की छायाप्रति, परिचय पत्र एवं चालान की प्रति संलग्न कर आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।अतएव उपरोक्त के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा वैध अभिकर्ता एवं अभिभाषक के द्वारा न्यायालय में दिनांक 28/10/2025 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 10/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पद मुद्रा से जारी

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
डौरा कोचली
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-ईश्तहार:-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत बरौधी नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अलका सिंह प/पति श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी बरौधी के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं०505/2 रकबा 0.07 हे . जो ग्राम बरौधी प.ह.नं 26 सूरजपुर में स्थित है के रा०नि०मं० भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर में स्थित है के भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 12/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर छ०ग०

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोपाडीलाल पिता,, जंगसाय जाति रजवार निवासी ग्राम रगदा

प.ह.न. 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व.गेदीबाई का मृत्यु दिनांक 03/03/2014 को ग्राम रगदा में हुई है. अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माता स्व.गेदीबाई का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत रगदा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक. 08/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान
जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

-ईश्तहार:-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत बरौधी नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अलका सिंह प/पति श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी बरौधी के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं०505/2 रकबा 0.07 हे . जो ग्राम बरौधी प.ह.नं 26 सूरजपुर में स्थित है के रा०नि०मं० भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर में स्थित है के भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 12/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला-सूरजपुर छ०ग०

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम कमलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामकुमार दुबे आ. राजाराम, जाति-ब्राम्हण, निवासी ग्राम गणेशपुर तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कमलपुर, प.ह.नं. 22, रा.नि.मं. पिलखा, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 591/1 रकबा 0.18 हे., कृषि भूमि को व्यवासायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 21/11/25 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

अपने प्रोफेशन में सक्सेसफुल होने के लिए जरूरी है, अपने वर्क पर फोकस्ड रहें, समय पर टार्गेट अचीव करें और उन आने वाली बाधाओं का आपको आभास हो, जो भविष्य में आ सकती हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि बदले समय के अनुसार आप टेक स्मार्ट भी बनें। लेकिन कुछ लोग ऐसा कर नहीं पाते। इसके लिए जरूरी है, अपने वर्क को सही ढंग से मैनेज करें, यह कैसे संभव है, जानें।

ऐसे मैनेज करें वर्क समय पर अचीव होंगे टार्गेट

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

उस दिन सुनीता अपनी कुलीग कामिनी से बोली, 'यार सब बोलते हैं, बड़े सपने देखो, बड़ा सोचो, अपने टार्गेट बड़े रखो। तभी बड़ी सक्सेस पाओगी, लेकिन मैंने तो सब कुछ करके देख लिया। रोज अपने वर्क की लिस्ट बनाती हूं। सुबह से रात तक पूरी मेहनत से काम करती हूं। इसके चलते फैमिली और फ्रेंड्स को टाइम नहीं दे पाती, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात।' अपनी बात कहकर सुनीता ने कामिनी से यह भी जानना चाहा, 'तुम सब कुछ कैसे मैनेज कर लेती हो, जो फैमिली को भी टाइम देती हो और अपने प्रोजेक्ट भी समय पर कंप्लीट कर लेती हो और तुम्हारा प्रमोशन भी हो जाता है?' कामिनी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'सुनीता, न तो यह बहुत कठिन है, न असंभव। बस तुम्हें अपने रोज के वर्क-टार्गेट की लिस्ट बनाकर अपनी टीम, टाइम और टेक्नोलॉजी के साथ कॉर्डिनेट करना होगा, टालू टेकनीक से दूर रहना होगा।' यहां एक बात और समझनी चाहिए कि व्यक्ति अपने जीवन के सभी लक्ष्यों को तभी आसानी से अचीव कर सकता है, जब वह उन इच्छाओं को छोड़ दे, जो उसके मिशन के अपोजिट हों। जी हां, अगर आप कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान रखें तो अपने सभी काम टाइम से मैनेज कर सकती हैं, आसानी से अपने लक्ष्य पूरे कर सकती हैं।

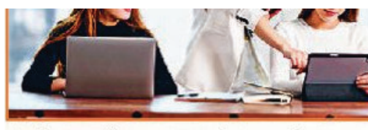

डालें सपोर्ट लेने की आदत

सबसे पहले आपको अपनी सभी जिम्मेदारियों की समीक्षा करनी होगी। इसके लिए आपको तय करना होगा, कौन से काम आपको खुद करने हैं, कौन से काम आपको अपनी टीम को सौंपने हैं, ताकि आप बेहतर तरीके से सभी काम तय सीमा में पूरे कर सकें। साथ ही आप यह जानें कि कौन से कामों की जिम्मेदारी दूसरों को देने से आपको कोई दिक्कत नहीं होगी और कौन-से काम आपको स्वयं करना चाहिए?

बेवजह बिजी न रहें

आप दूसरों के कामों में न उलझें। बेवजह लोगों से मिलना-जुलना बंद करें। गैरजरूरी मीटिंग्स से दूर रहें ताकि आपका समय बर्बाद न हो। जब-तब मीटिंग्स अटेंड न करें। अगर किसी मीटिंग में आपकी मौजूदगी जरूरी नहीं है तो उसमें से खुद को हटा लें। ऐसा करने से आपका अतिरिक्त बोझ हल्का हो जाएगा, आप अपने मुख्य काम पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगी।

टेक स्मार्ट बनिए

आज के समय में स्मार्टफोन और इंटरनेट ने दूरियां कम कर दी हैं। टेक सेवी व्यक्ति की कार्य क्षमता बढ़ा दी है। पहले आपको किसी व्यक्ति से मिलकर ही सब बातें करनी होती थीं, मीटिंग के लिए दूर जाना पड़ता था, पेमेंट के लिए बैंक जाना पड़ता था, इसमें समय खर्च होता था। अब आप अपनी डेस्क पर बैठकर एनईएफटी, आरटीजीएस या यूपीआई से पेमेंट कर सकती हैं। वीडियो कॉल या जूम मीटिंग से एक साथ कई लोगों के साथ डिस्कस कर सकती हैं। ई-मेल, व्हाट्स एप से डॉक्यूमेंट, फोटो, सैंपल भेज सकती हैं। जहां फिजिकल सैंपल भेजना हो, वहां पोर्टर एप के माध्यम से भेज सकती हैं। इसलिए टेक स्मार्ट बनिए, समय के साथ चलिए।

खुद को दें वक्त

एनर्जी री-स्टोर करने के लिए खुद को थोड़ा आराम देने के लिए टाइम निकालें। काम के बीच में ब्रेक लेना, परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना या अपने शौक पूरे करना भी जरूरी है। इससे आप अधिक ऊर्जावान होकर स्पष्ट सोच पाएंगी, भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले सकेंगी।

विभिन्न लक्ष्यों में सामंजस्य जरूरी

विभिन्न लक्ष्यों के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए आप अपने सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों और उन्हें हासिल करने वाली गतिविधियों को साफ-साफ डायरी में लिख लीजिए, इसके बाद यह समझने की कोशिश करें कि कौन से लक्ष्य आपस में जुड़े हैं, एक-दूसरे की पूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका लक्ष्य फिट रहना और स्टडी में भी अच्छा प्रदर्शन करना है तो नियमित व्यायाम दोनों में मदद करेगा। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और स्टडी के लिए एनर्जी भी देगा। इसी तरह जब आप अपने दोनों लक्ष्यों के सामंजस्य को पहचान लेंगी तो आपकी छोटी-सी मेहनत भी एक साथ कई बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

इच्छाओं के जाल में न उलझें

हर इच्छा, लक्ष्य नहीं हो सकती। कई बार मन में उपजे विचार सिर्फ प्रलोभन होते हैं, जो आपकी मेहनत को बर्बाद करते हैं। इसलिए आत्म-नियंत्रण बेहद जरूरी है, ऐसी अनुत्पादक, निरर्थक इच्छाओं को समय रहते पहचानना और उनसे जितना संभव हो दूर रहना बेहद जरूरी है।

बाधाओं का अंदाजा रखें

जब आप कोई लक्ष्य निर्धारित करें तो उसके रास्ते में आने वाली संभावित बाधाओं का पहले से अंदाजा लगाएं। ऐसा करने से आप विचलित होने की बजाय, अपने मुख्य उद्देश्यों पर ही टिकी रहेंगी। संघर्ष करने से कभी हिचकेंगी नहीं, अपना मनचाहा टार्गेट पा लेंगी।

भविष्य में बच्चे तभी सुनेंगे आपकी जब बचपन में आप सुनेंगे उनकी

बहुत से अभिभावक अपने बच्चों की बातों पर ध्यान नहीं देते, उनकी उलझनों और सवालों को इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा करने से उनके कोमल मन पर बुरा असर पड़ता है। जो वर्षों बाद अभिभावक को बच्चों से मिलने वाली उपेक्षा के रूप में सामने आ सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने बच्चों की हर बात को पूरे ध्यान से सुनें।

परवरिश

कृति आर. के. जैन

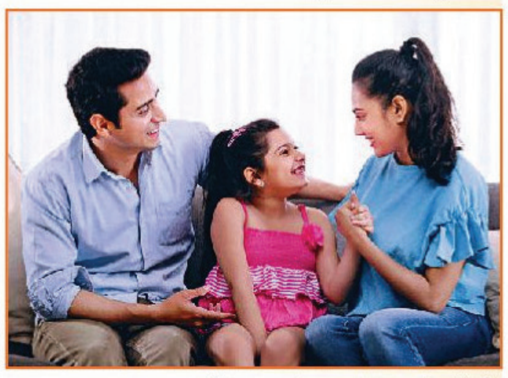

अगर किसी दिन आपका बच्चा आकर आपसे कहे, 'मम्मी, मुझे आज स्कूल नहीं जाना।' इस पर आप बिना इसकी वजह पूछे, बस उससे कह देती हैं, 'नहीं कोई बहाना नहीं चलेगा, चुपचाप तैयार होकर स्कूल जाओ।' तो उस क्षण आप भले सोचें कि आप बच्चे को अनुशासित रख रही हैं। लेकिन ऐसा बार-बार करने से बच्चे के मन में आपके प्रति भरोसे का छोटा-सा दरवाजा बंद हो रहा होता है। समय बीतता है, बच्चा बड़ा होता है। किशोरावस्था के किसी मोड़ पर वह अपने कमरे में खुद को बंद कर लेता है। चुप, उलझा हुआ, भीतर ही भीतर टूटता हुआ। आप बाहर खड़ी होकर बार-बार पुकारती हैं, 'क्या हुआ बताओ बेटा?' लेकिन तब तक वह दरवाजा लकड़ी का नहीं रह जाता। वह अनकही बातों, दबी भावनाओं की मोटी दीवार बन चुका होता है।

दरअसल, जो अभिभावक अपने बच्चों की छोटी-छोटी बातों को, उनकी उलझनों को नहीं सुनते, वे बच्चे बड़े होने पर अपने पैरेंट्स की बातें, उनकी हिदायतें कुछ नहीं सुनते।

समझाने से पहले उन्हें समझें: हम अकसर मान लेते हैं कि बच्चों को समझाना हमारा अधिकार है, जबकि सच यह है कि उन्हें समझना हमारा सबसे बड़ा फर्ज है। जब सात-आठ साल की बेटी कहती है, 'मां, मुझे यह फ्रॉक पसंद नहीं।' इस पर अगर आप जवाब देती हैं, 'पहनो इसे, इतने पैसे खर्च करके खरीदा है।' तो आप सिर्फ कपड़े की नहीं, उसकी पसंद, उसकी पहचान और उसकी इच्छा की कीमत कम कर देती हैं। वही बेटी जब बड़ी होकर पैरेंट्स के पसंद के किसी रिश्ते से इंकार कर देती है या करियर की राह अपने मन से चुन लेती है तो पैरेंट्स को लगता है कि वह हमारे बारे में नहीं सोचती। सच यह है कि हमने उसके लिए सोचना कभी सीखा ही नहीं था। सुनना सिर्फ कान खोलना नहीं, दिल खोलना भी होता है। अगर आप मोबाइल में बिजी हैं, और आपका बच्चा आपसे कुछ कह रहा है तो मोबाइल को एक मिनट के लिए साइड में रख देने से कोई बहुत बड़ा काम नहीं बिगड़ जाएगा। लेकिन उसकी बात ध्यान से अगर आप सुनती हैं तो वह बच्चा यह समझ जाता है कि उसकी भावनाएं, उसकी बातें और उसकी मौजूदगी की उसके अभिभावक की नजर में बहुत कीमत है। इससे उसके भीतर कहीं संस्कार भी निर्मित होता है कि अपनों की बात को सुनना चाहिए।

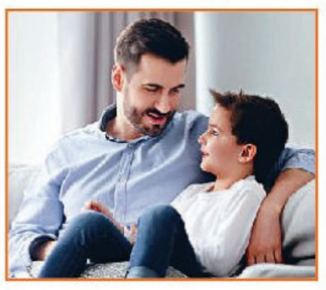

बचपन का भरोसा रहता है उम्र भर: जिस बच्चे की आवाज को बचपन में जगह मिलती है, वह किशोरावस्था की दहलीज पर पहुंचकर न तो भावनाओं को छुपाता है, न ही विद्रोह की आग में जलता है। वह खुलकर बताता है। दोस्तों की गलत संगत से लेकर पहले प्रेम की घबराहट तक, करियर की उलझनों से लेकर मन में उठती बेचैनी तक, सब कुछ। जिस बच्चे की छोटी-सी बात आज आप धैर्य से सुन लेते हैं, वही बच्चा कल आपकी सबसे बड़ी परेशानी में आपके लिए सबसे भरोसेमंद साथी बन जाता है।

बिना रोके-टोके सुनें उसकी बात: अगर आज हम अपने बच्चे की बात को हंसकर, टालकर, 'अरे, बच्चों की बातें हैं।' कहकर किनारे कर देंगे, तो आने वाले वर्षों में वही बच्चे हमारी बात को 'बूढ़ों की जिद' कहकर हवा में उड़ा देंगे। उस दिन हमें हमारा ही घर कैसा लगेगा? उस दिन हमें बहुत तकलीफ होगी यह सोचकर कि हमारे बच्चे हमारी ही नहीं सुनते लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि उनके बचपन में संवाद का पुल तो हमने ही तोड़ दिया था। कभी-कभी पूरे भविष्य की दिशा एक ही पल तय कर देता है। इसलिए आज अपने आप से वादा कीजिए, जब आपका बच्चा कुछ कहे तो बीच में रोके-टोके बिना, उसकी पूरी बात सुनिए, क्योंकि बचपन में मिलने वाला यह सुनने का छोटा-सा मौका, जो आज बेहद साधारण लगता है, वही कल रिश्तों को मजबूत रखने वाला सबसे बड़ा आधार बनता है।

सजेशन

मधु सिंह

जिस तरह से गर्मी के मौसम में गर्माहट का कम एहसास हो, इसके लिए हम अपने घर में कई बदलाव करते हैं। उसी तरह सर्दी के मौसम में भी कुछ बदलाव कर सकते हैं, इनसे ठंड का एहसास कम होगा। इन छोटे-छोटे और ईजी बदलावों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगी।

क्या आप कर चुकी हैं अपने घर को विंटर रेडी!

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। सुबह और शाम ज्यादा ठंडी महसूस होती है। दिन छोटे होने के कारण शाम को अंधेरा जल्दी होता है। घर से बाहर रहने पर बस मन करता है कि जल्द से जल्द घर में पहुंच जाएं। लेकिन घर में गर्माहट का एहसास तभी होगा, जब आप अपने घर को विंटर रेडी बनाएंगी, अपनी जीवनशैली में जरूरी बदलाव करेंगी। सर्दी के आने वाले दिनों के लिए जब खूब ठंड पड़ेगी, उसके लिए अपने घर को इस तरह तैयार कर लें, जो आपके लिए आरामदायक हो।

ऐसे बनी रहेगी गर्माहट: गर्मी के मौसम में जहां हल्के कूलिंग इफेक्ट वाली कॉटन ड्रेसेस की फर्निशिंग जरूरी होती है। ठीक इसके विपरीत सर्दी के मौसम में वुलेन बेडशीट, पर्दे, रग्स, सोफा कवर, तकिए के गिलाफ, कुशन कवर हों तो वे गर्मी को रोकते हैं और कमरे की गर्माहट को बनाए रखते हैं। ऊनी कालीन एक प्राकृतिक इंसुलेटिंग एजेंट की तरह काम करता है। इनसे हम सर्दियों में कमरे को ज्यादा आरामदायक बनाकर ऊर्जा की खपत कम करके कमरों को गर्म रख सकते हैं।

बेडरूम में मिले कोजी फील: सर्दी के मौसम में हम सभी का बेडरूम में ज्यादा समय बीतता है। इसलिए जितना संभव हो, उसमें बदलाव करना चाहिए। गर्मियों के लिए हल्के बिस्तर की जगह, वुलेन बेडशीट, पिलो कवर, रग्स, कालीन, पर्दों का इस्तेमाल करें ताकि कमरों में गर्मी बनी रहे। आप रात भर आराम से सो सकें और बेडरूम के लुक को भी खूबसूरत बना सकें। इसके लिए गहरे रंगों की बेड शीट्स, कुशन कवर और पिलो कवर का इस्तेमाल करें, जो गर्माहट लाने में हेल्प करते हैं।

दरवाजे-खिड़कियों में बदलाव: सर्दी के दिनों में कमरे की ज्यादातर गर्मी, खिड़की और दरवाजों से निकलती है, इसलिए उन्हें प्लास्टिक की सीलिंग से या बोर्ड से सील करवा दें। उन पर मोटे फैब्रिक वाले पर्दे लगाएं। पर्दे ऐसे होने चाहिए कि धूप और गर्मी अंदर आ सके और जो रात में ठंड को अंदर आने से रोक सके। शाम के बाद दरवाजे और खिड़कियों को बंद करके रखें। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजों की दरारों को सील करवाएं ताकि घर में गर्माइश बनी रहे।

तैयार कर लें वार्म ड्रेसेस

आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड के लिए मोटे फैब्रिक की ड्रेसेस और कंबलों को तैयार रखें। अगर उन्हें ट्रंक या दीवान में स्टोर करके रखा गया है, तो उनको धूप लगवाने के बाद ही इस्तेमाल करें। टोपी, दस्ताने, मोजे और घर के अंदर पहनने के लिए ऐसी चप्पल मंगवा लें, जो पैरों को गर्म रख सकें। हाथ पैर और सिर से ज्यादा ठंड लगती है। इसलिए वुलेन मोजे, दस्ताने और कैप भी निकाल लें।

पोर्टेबल स्टोव: जब ठंड ज्यादा बढ़ती है तो आग तापने से बड़ी राहत मिलती है। तापमान गिरने पर आप चाहें तो पोर्टेबल इलेक्ट्रिक हीटर या गैस स्टोव को किचेन के बजाय कहीं अन्य सुविधाजनक स्थान पर रखकर खाना बना सकती हैं, इससे घर को गर्म रखा जा सकता है।

वैकल्पिक तरीके भी आजमाएं: सर्दी के दिनों में जब पावर कट ज्यादा होता है तो ऐसे में इलेक्ट्रिक से चलने वाले इंस्ट्रूमेंट्स जैसे हीटर और ब्लोअर यूज नहीं हो पाते हैं। ऐसे में अपने घर को गर्म बनाए रखने के वैकल्पिक तरीके भी रेडी रखें। वार्म पैड या फायर प्लेस को दुरुस्त रखें, ये बिजली की तुलना में सस्ते तो होते ही हैं, बिजली न होने पर ठंड से परेशान होने की बजाय इनके इस्तेमाल से घर को गर्म रखा जा सकता है। यहां बताए गए इन तमाम उपायों को आजमा कर आप अपने घर के वातावरण को आसानी से गर्म रख सकती हैं।

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

इस मौसम में ऐसे करें बालों की देखभाल

सर्दी के मौसम में कम तापमान की वजह से बालों में खुश्की बढ़ जाने से बाल काफी खराब हो जाते हैं। इस मौसम में ज्यादातर लोग बालों को धोने के लिए गर्म पानी का उपयोग करते हैं। इससे बालों में खुश्की हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि सर्दी के मौसम में गुनगुने पानी का उपयोग करें और गर्म पानी से नहाने से परहेज करें। जिससे बालों के टूटने का खतरा बढ़ जाता है। गर्म पानी बालों से प्राकृतिक तेल सोख लेता है, जिससे बाल शुष्क हो सकते है। इसके साथ ही डेंड्रफ और स्कैल्प में खुजली की समस्या भी हो सकती है। सामान्य तापमान के और गुनगुने पानी से नहाने से बालों में नमी बरकरार रहती है और बाल मुलायम, चमकदार बने रहते हैं।

कंडीशनर का यूज करें: सर्दी के मौसम में ऐसे शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें, जो बालों को नमी प्रदान करते हों। इन उत्पादों में एलोवेरा, शिया बटर और किरेटिन आदि तत्वों से बालों को पोषण मिलेगा और बालों में नमी बरकरार रहेगी। सर्दियों में लाइट वेट हाइड्रेटिंग सीरम और लीव इन कंडीशनर के उपयोग से बालों में नमी बनी रहेगी और बाल मुलायम बने रहेंगे। अल्कोहल और सल्फेट युक्त शैंपू या कंडीशनर बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

नारियल तेल: बालों में लगातार खुश्की की वजह से डेंड्रफ की समस्या गंभीर हो जाती है। डेंड्रफ और दो मुंहे बालों की समस्या से निपटने के लिए गर्म तेल से मालिश काफी लाभदायक साबित होती है। सप्ताह में एक या दो बार शुद्ध नारियल तेल को गर्म करके इसे सिर पर लगाएं। इसके बाद एक तौलिए को गर्म पानी में डुबोकर निचोड़ लें और 5 मिनट तक सिर पर बांध लें। इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहरा लीजिए और तेल को रात भर बालों में लगा रहने दीजिए। अगर आपके बालों में डेंड्रफ है तो अगली सुबह सिर में नीबू का रस लगाकर 15 मिनट बाद बालों को धो लें। बालों को धोने के लिए हल्के गर्म पानी का ही प्रयोग करें। शैंपू करने के बाद पानी के मग में दो चम्मच सिरका डालकर बालों को धो लें फिर अच्छे तरीके से साफ पानी से भी बालों को धो डालें।

मसाज जरूर करें: रूखापन बढ़ने की वजह से बालों में नमी और तैलीयपन में कमी आ जाती है। इससे बालों में पोषाहार की जरूरत ज्यादा बढ़ जाती है। बालों में नारियल तेल की मालिश से बालों को पोषाहार मिलता है। यदि आप नारियल तेल लगाकर हल्की-हल्की मालिश करती हैं तो इससे बालों की कोशिकाओं में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है। बालों को हल्के से तेल से मालिश करने के लिए केवल फिंगर टिप्स का ही सहारा लीजिए और सिर को हल्के-हल्के से विभिन्न दिशाओं में घुमाइए। इससे बालों की कोशिकाओं में अच्छी तरह ब्लड फ्लो होता है। तेल को रात भर बालों में लगा रहने दीजिए और अगले दिन सुबह बालों को गुनगुने पानी से धो डालिए। बालों को तौलिए से रगड़ने की बजाय, तौलिए को सिर पर बांधें ताकि बालों में मौजूद पानी तौलिए में समा जाए। अगर बाल शुष्क और नाजुक हों तो ड्रायर का यूज न करें। बालों को प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। अगर आप हेयर ड्रायर का उपयोग करती है तो उसे बालों से कम से कम 10 इंच दूरी पर रखें।

एडवाइस

प्रतिभा अग्निहोत्री

जब जाएं वर्केशन पर रखें इन बातों का ध्यान

वर्क फ्रॉम होम करने वाले यंगस्टर एक जगह काम करते ऊब जाते हैं, इसलिए वे अलग-अलग रिमोट एरियाज में जाकर काम करना पसंद कर रहे हैं। अगर आप भी वर्केशन पर जा रही हैं तो किन बातों का ध्यान रखें, जानें।

इंग्लिश वर्ड वर्क-वेकेशन से मिलकर बना यह शब्द 'वर्केशन' आज की जेन जी यंगस्टर्स का सबसे फेवरेट शब्द है, जिसमें वे एक जगह रुककर काम करने के स्थान पर अलग-अलग रिमोट एरियाज में जाकर ऑफिस वर्क करते हैं। आजकल अधिकांश कंपनियों ने अपने एंप्लॉइज को वर्क फ्रॉम होम दे दिया है, जिसके कारण वे एक कमरे में बैठकर काम करते हैं। निरंतर एक ही स्थान पर काम करने के कारण धीरे-धीरे उन्हें काम और जगह दोनों से ही बोरियत होना शुरू हो जाती है, फिर उनका काम में मन नहीं लगता। इस बोरियत से बचने के लिए यंगस्टर अपना लैपटॉप और ऑफिस का अन्य जरूरी सामान लेकर दूर-दराज के टूरिस्ट प्लेस पर चले जाते हैं, वहां रहकर वर्किंग ऑवर में काम करते हैं, शेष समय में वे आस-पास की जगहों पर घूमते हैं। इस तरह वे वर्क और वेकेशन दोनों एक साथ कर लेते हैं। यदि आप भी वर्केशन पर जाने का प्लान कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें-

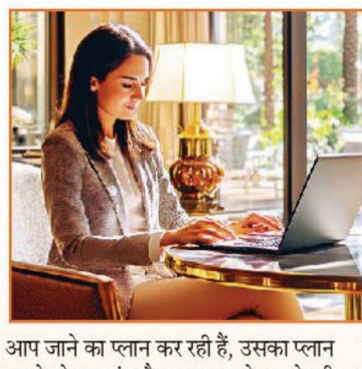

समय से कर लें बुकिंग: जिस भी जगह पर आप जाने का प्लान कर रही हैं, उसका प्लान पहले से बनाएं और समय रहते, रहने की बुकिंग कर लें ताकि आप निश्चिंत होकर अन्य तैयारियों पर ध्यान दे सकें।

नेटवर्क है बहुत जरूरी: चूंकि आजकल सारे काम इंटरनेट के माध्यम से होते हैं, इसलिए स्थान चुनने से पहले वहां नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें, क्योंकि कुछ पर्यटक स्थलों पर नेटवर्क की बहुत प्रॉब्लम रहती है। नेटवर्क न होने पर आपका काम प्रभावित हो सकता है।

जानकारी लेकर और देकर जाएं: जिस स्थान पर आप जा रही हैं, उसकी पूरी जानकारी यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम या फिर अपने परिचितों से लेकर जाएं, ताकि आप अपनी तय जगह पर जाकर काम करने के साथ-साथ सुगमता से घूम भी सकें। अपने परिवारजनों और मित्रों को गंतव्य स्थल की पूरी जानकारी देकर जाएं ताकि आपात स्थिति में आपसे संपर्क किया जा सके।

पैरेंट्स को यूं करें तैयार: अकसर अविवाहित युवा बेटियों को इस तरह से अकेले वर्केशन पर भेजने के लिए पैरेंट्स तैयार नहीं होते, ऐसे में विरोध करने की बजाय उन्हें प्यार से वर्केशन के बारे में डिटेल जानकारी दें ताकि वे खुशी-खुशी मानसिक रूप से तैयार हो सकें।

बजट का रखें ध्यान: चूंकि वर्केशन के दौरान आप अधिक समय तक एक ही जगह पर रहती हैं, इसलिए बजट फ्रेंडली प्लेस का सेलेक्शन करना बहुत जरूरी है ताकि आप कम खर्चे में वर्केशन एंज्वॉय कर सकें।

जरूरी उपकरण लेकर जाएं : रोमिंग सिम कार्ड, पावर बैंक, मोबाइल और लैपटॉप का चार्जर आदि अपने साथ लेकर जाएं।

जरूरी दवाएं साथ रखें: यदि आप कोई मेडिसिन लेती हैं तो उसे पर्याप्त मात्रा में लेकर जाएं। इसके साथ-साथ बुखार, पेटदर्द, सिरदर्द और वॉमिटिंग की दवाएं भी अपने साथ जरूर लेकर जाएं ताकि जरूरत पड़ने पर आप उनका उपयोग कर सकें।

दिव्यांगजन, उनके सम्मान, अधिकारों एवं समान अवसरों को सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : लक्ष्मी

0 जिले में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर हुआ राज्यस्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन 0 मुक-बधिर बच्चों द्वारा शानदार नृत्य का किया गया प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर यहां रंगमंच प्रांगण में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। आयोजन में महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल होकर दिव्यांगजनो का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दिव्यांगजन समाज की अमूल्य शक्ति है और उनके सम्मान, अधिकारों एवं समान अवसरों को सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं। यह आत्मविश्वास ही उन्हें विशेष पहचान देता है। छत्तीसगढ़ शासन उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित करने और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि परमात्मा हमारे शरीर में भले ही कोई एक गुण कम करता है, लेकिन बदले में कई गुण बढ़ाकर भी देता है। दिव्यांगजन समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनकी अपने-अपने क्षेत्र में योग्यताएं हैं। शासन की भावना सर्वे भवन्तु सुखिन: रही है। दिव्यांगजन के लिए केंद्र व राज्य

शासन दोनों के द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। मंत्री ने आगे कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द प्रदान करने से समाज का दृष्टिकोण सकारात्मक रूप से बदला है। इसी सकरात्मक दृष्टिकोण को आप और सभी को आगे बढ़ाना है और उन्हें सामन अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को 10 मोटराइज्ड एवं 20 ट्राईसाइकिल, 15 व्हील चेयर, 15 जोड़ी बैसाखी, 05 ब्लाईंड स्टिक , 20 छड़ी ,04 नग एमआर किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग जनों के लिए किया जा रहे उत्कृष्ट कार्य हेतु जिला गरियाबंद को सर्वोत्तम जिले के रूप में सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राज्य स्तर समिति द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु पांच दिव्यांगजनों को चयनित कर सम्मानित किया गया और प्रत्येक व्यक्ति संस्था को 5001 रूपये की राशि का चौक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग कुमारी शीतल विश्वकर्मा व ज्ञानोदय के मुक-बधिर बच्चों द्वारा शानदार नृत्य का प्रस्तुतीकरण किया गया।

समाज की शक्ति हैं दिव्यांगजन-रामसेवक

पूर्व गृहमंत्री व वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि ''दिव्यांगजन समाज की शक्ति हैं, उनकी मजबूती और आत्मविश्वास ही समाज को नई दिशा देता है। राज्य सरकार उनके अधिकारों, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विभिन्न योजनाओं और सहयोग के माध्यम से दिव्यांगजन के जीवन में सुधार लाने का सतत प्रयास जारी है।

संवेदनशीलता के साथ दिव्यांगजनों की प्रतिभा को लाएं आगे- भूलन

विधायक भूलन सिंह मराबी ने कहा कि ''दिव्यांगजन के सशक्तिकरण के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं ने उन्हें नए अवसर प्रदान किए हैं। समाज के हर वर्ग का दायित्व है कि वे संवेदनशीलता के साथ दिव्यांगजनों की प्रतिभा को आगे लाने में सहयोग करें।'' उन्होंने समावेशी विकास को सच्चे अर्थों में राज्य की प्राथमिकता बताते हुए सभी दिव्यांगजनों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव भी उपस्थित थी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 21 प्रकार की दिव्यांगता के आधार पर दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनों को दिव्यांगजन दिवस मनाने के उद्देश्य व विभागीय योजनाओं से बिन्दुसार परिचित कराया। कलेक्टर एस.जयवर्धन ने दिव्यांगजनों के हित में प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यो से उपस्थित जनों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि, ''हमारा प्रयास है कि दिव्यांगजन को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि समाज के अभिन्न और सक्रिय सदस्य के रूप में देखा जाए। उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में जिपं अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणि पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजवाड़े , नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, पार्षदगण, जिला पंचायत एवं जनपद सदस्य, पूर्व विधायक श्रीमती रजनी त्रिपाठी, रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, पाठय पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीम सिंह अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, संदीप अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्राथ.शाला उरांवपारा में सर्वाधिक उपस्थिति वाले विद्यार्थी को किया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन और जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के निर्देशन पर लगातार जिले के शिक्षकों द्वारा विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति और शिक्षा में गुणवत्ता हेतु नवाचार किया जाता है, इसी प्रक्रिया में जिले के रामानुजनगर विकासखंड के प्राथमिक शाला उरांवपारा मदनेश्वरपुर के प्रधान पाठक संजय साहू द्वारा हर महीने विद्यालय में सबसे अधिक उपस्थित रहने वाले विद्यार्थी को प्रोत्साहन स्वरूप स्वयं के खर्च से कुछ न कुछ उपहार दिया जाता है। इससे बच्चों में विद्यालय में आने के लिए स्पर्धा बैंक रहती है, जिससे विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति लगातार अच्छी बनी रहती है। जहां आजकल पूरे प्रदेश में धान कटाई के कारण बच्चे विद्यालय में कम ही आते हैं ऐसे में प्रधानपाठक के इस पहल से इस विद्यालय की उपस्थिति सदैव अच्छी बनी रहती है । माह नवंबर में जहां 23 दिन विद्यालय खुला रहा ऐसे में कक्षा पांचवीं से कलेश्वर कुमार पूरे 23 दिन,कक्षा चौथी से अंकित कुमार 22दिन, कक्षा तीसरी से प्रभावती पूरे 23 दिन, कक्षा दूसरी से रंगीता पूरे 23 दिन, वही कक्षा पहली से राजेश कुमार 22 दिन उपस्थित रहा। इन पांचों बच्चों को प्रधानपाठक द्वारा कलर पेंसिल पुरस्कार स्वरूप दिया। इस विद्यालय में प्रति माह शिक्षको द्वारा स्वयं के खर्च पर इन बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप इस प्रकार कार्य किया जाता है। इस दौरान विद्यालय के प्रधानपाठक संजय साहू , शिक्षक रामकृपाल साहू, शोभारानी किस्पोट्टा और अनिमा बेक उपस्थित रहे।

राष्ट्रव्यापी आह्वान पर रनिंग स्टाफ 48 घण्टे उपवास रख कर रहा आंदोलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की केंद्रीय कमिटी के आह्वान पर रनिंग स्टाफ के साथ रेलवे बोर्ड एवं सरकार के अन्यायपूर्ण व्यवहार के विरुद्ध लोको रनिंग स्टाफ 2 दिसंबर को दिन के 10 बजे से 48 घण्टे उपवास में रहकर गाड़ियों का संचालन करते हुए राष्ट्रव्यापी आंदोलन पर है। जिसमे देश भर और एसईसीआर की सभी क्रू लॉबियों सहित सूरजपुर क्रू लॉबी के सामने सैकड़ो की संख्या में रनिंग स्टाफ धरने पर बैठे है। सर्वविदित है कि रनिंग स्टाफ जहां काफी विषम एवं कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए रेल गाड़ियों का सुरक्षित परिचालन करता है, वहीं दूसरी तरफ उसके वेतन भत्तों में अप्रत्याशित कटौती की जा रही है। एक तरफ जहाँ 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता होने से सभी केंद्रीय अधिकारी व कर्मचारियो के भत्तों में 1.1.2024 से 25 प्रतिशत वृद्धि की गई है। परंतु रनिंग स्टाफ को टीए के सापेक्ष मिलने वाले माईलेज भत्ते में वृद्धि से रेल प्रशासन ने इंकार कर दिया है। साथ ही माईलेज दर के 70 प्रतिशत टीए पर इन्कम टैक्स

छूट भी नहीं दी जा रही है। जबकि टीए नियमत: सौ प्रतिशत इन्कम टैक्स मुक्त होता है। जिसका लाभ सभी अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारियों को मिल रहा है। लेकिन इस छूट का उचित लाभ रनिंग कर्मचारियों को नहीं मिल पा रहा है।

एप्टीट्यूड टेस्ट में अनुपयुक्त रनिंग कर्मचारी का 30 प्रतिशत वेतन तत्व काटने का अनैतिक आदेश जारी किया गया है। अलारसा की हमेशा से यह मांग है कि रेल दुर्घटनाओं की निष्पक्ष जाँच हो जिससे पुनरावृति रोकने के प्रभावी उपाय किये जा सके। SPAD शून्य मिशन अभियान तभी सम्भव होगा। इन सभी मुद्दों पर लोको रनिंग स्टाफ में भारी रोष है। जिसका शीघ्र समाधान करने पूरे भारत वर्ष का रनिंग स्टाफ 48 घण्टे भूख हड़ताल करने बैठा है और भूखे रहकर ही गाड़ियों का संचालन कर रहा है। सूरजपुर स्टेशन में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि यहां पदस्थ सभी लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर 2 दिसंबर से भूखे रहकर अपनी ड्यूटी कर रहे है। उन्होंने बताया कि रेल प्रशासन का रनिंग कर्मचारियों के साथ सौतेले व्यवहार के विरुद्ध रोष दर्ज करने एवं अपनी जायज मांगों की शीघ्र पूर्ति हेतु भूखे रहकर कार्य कर रहा है। सूरजपुर रोड में आयोजित कार्यक्रम में दीपक कुमार सिंह, नीतीश कुमार यादवेंदु, मृत्युंजय कुमार, जितेंद्र कुमार, राम कुमार, सौरव सिंह, अनिल सिंह, अमित कुमार, आर बड़ा, धर्मेंद्र कुमार, शशिकांत, रोशन कुमार, सत्यप्रकाश चक्रवर्ती, धर्मेंद्र कुमार, विवेकानंद, एस आर वर्मा, श्यामलाल, सुनील कुमार, दीपक कुमार, पवन, अखिलेश मेहता, आकिब, सन्नी सिंह, सतीश कुमार, रमेश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे।

रनिंग स्टाफ की इन मांगो को अपना समर्थन देते हुए, क्र्यस के जोनल अध्यक्ष संदीप तिवारी, उपाध्यक्ष शिवकुमार और बिलासपुर मंडल समन्वयक अमित कुमार दास, प्रेस यादव, अजय, रवि सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय इतिहास के महानायक थे देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद : लक्ष्मी

जयंती पर मंत्री लक्ष्मी ने पण्डोनगर स्थित राजभवन पर प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद को किया नमन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की जयंती पर बुधवार को पंडोनगर स्थित राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मौजूद रहीं। भारत के प्रथम राष्ट्रपति के 141 वीं जयंती पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने उनके छाया चित्र पर पुष्पाजंली अर्पित नमन किया। उपस्थितजनों के बीच उन्होने डॉ. प्रसाद के राष्ट्र निर्माण के योगदान को याद करतें हुए उन्हे भारतीय इतिहास का महानायक बताया। इस अवसर पर उन्होने उस समय को याद किया जब राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने पण्डोनगर की भूमि पर अपनी कदम रखा था और यह स्थान आज भी कैसे राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की विरासत को संजोय हुए हैं। इस अवसर पर उन्होने राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के आने के बात क्षेत्र मे पण्डो व अन्य जनजाति समूदाय के जीवन मे आये सकारात्मक बदलाव का भी जिक्र किया। इस अवसर पर ग्रामवासी जनप्रतिनिधिगण व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

4 जुआड़ियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, नगदी रकम, मोबाईल व बाईक जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की बसदेई पुलिस ने जुआं खेल रहे 4 जुआरियों को रंगेहाथों पकड़ा है। बताया गया है कि मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम गंगोटी में कुछ जुआड़ियान हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ग्राम गंगोटी में घेराबंदी कर 4 जुआड़ी जगदीश प्रसाद ग्राम पोड़ी थाना रामानुजनगर, पूरन प्रसाद गंगोटी, संजय साहू ग्राम मांजा थाना रामानुजनगर, सूरज साहू ग्राम बांसापारा चौकी बसदेई को जुआ खेलते रंगे हाथों धर दबोचा, जुआड़ियों के पास व जुआ फड़ से 9100 रूपये जप्त किया गया। मौके से जुआड़ियों के 4 नग मोबाईल व 4 नग मोटर सायकल कीमती 299100 रूपये का भी जप्त किया गया है। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह, अलका टोप्पो बालमुकुन्द पाण्डेय, आरक्षक देवदत्त दुबे, शिवराज, रामकुमार, आदित्य यादव, राकेश सिंह, दिलीप साहू व महिला आरक्षक पूनम व प्रफुल्ला सक्रिय रहे।

12.3 किलो गांजा के साथ बस में सवार एक तस्कर गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चौकी रेवटी पुलिस ने अम्बिकापुर से रेनुकूट जाने वाली बस में गांजा ले जा रहे एक गांजा तस्कर को पकड़ा है जिससे 4 लाख का 12.3 किलो गांजा बरामद किया है। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कार्यो सहित नशे के कारोबार पर पूर्णत: अंकुश लगाने के सख्त निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में बीते मंगलवार को चौकी रेवटी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि अम्बिकापुर से रेनुकूट जाने वाली बस में एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री करने बनारस जा रहा है।

चौकी रेवटी पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम चांचीडांड बनारस रोड़ पर नाकाबंदी कर बस की चेकिंग की जा रही थी इसी दौरान बस से एक व्यक्ति 2 बैग लेकर संदिग्ध हालत में भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम सोनू पटेल पिता मुरारी लाल उम्र 32 वर्ष निवासी इन्जानी, थाना चलगली जिला बलरामपुर बताया जिसके कब्जे से गांजा जप्त किया गया है जिसकी कीमत करीब 4 लाख रूपये बताई गई है। मामले में गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी रेवटी कृष्णा सिंह, एएसआई विनोद सिंह, प्रधान आरक्षक शिव राजवाड़े, अभिलाष राम, आरखक अखिलेश दुबे, महेन्द्र कुमार, अशोक राजवाड़े, संत पैंकरा, अनिरूद्ध पैंकरा व मुरलीधर नायक सक्रिय रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग रामानुजगंज

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-4500/NIT-7/2025-2026/व.ले.लि. दिनांक : 28.11.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	:- 08.12.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि	:- 11.12.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	:- 12.12.2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे से
निविदाकारों की श्रेणी	:- ई-पंजीयन के अन्तर्गत "द" से "अ" तक
निविदा प्रपत्र की किमत (रू.में)	:- रू. 750.00
कार्य की अवधि	:- 04 माह वर्षाऋतु सहित

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
7 T0057	जिला न्यायालय रामानुजगंज, जिला बलरामपुर में मुख्य प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण	09.26 7000.00 300000.00

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग
रामानुजगंज

जी-252605138/1

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर 04 दिसम्बर 2025

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

दृष्टिबाधित बालक-बालिकाओं ने लगाई 25 मीटर दौड़, कलेक्टर ने बढ़ाया उत्साह

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर आज समग्र शिक्षा प्रारंभिक एवं माध्यमिक, द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन मल्टीपरपज स्कूल में किया गया। जिले के विभिन्न विकासखण्डों से आए दिव्यांगजन बच्चों ने उत्साहपूर्ण सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर विलास भोसकर व बच्चों द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। उन्होंने सभी ब्लॉकों से आए दिव्यांग बच्चों को शॉल ओढ़ाकर अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस की शुभकामनाएं दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कलेक्टर ने दृष्टिबाधित बालक-बालिकाओं के लिए 25 मीटर दौड़ का शुभारंभ कर इनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में दौड़, व्हील चेयर रेस, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिव्यांग बच्चों ने अपने अप्रतिम कौशल और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना और इनकी भावनाओं को सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत कुमार पाठक, सहायक कार्यक्रम समन्वयक संजय सिंह, समावेशी शिक्षा प्रभारी दिनेश शर्मा, नरेंद्र पांडे सहित अधिकारी-कर्मचारी, समग्र शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, व्यायाम शिक्षक ए.डी. दिवान, राजेश प्रताप सिंह, शौभिक दासगुप्ता, रविशंकर भगत, पवनीत गील, आकाश गुप्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर ने कहा-दिव्यांग बच्चे अद्भुत प्रतिभा और कला के धनी, सहायक उपकरण वितरित

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा होली कॉस श्रवण बाधित विशेष विद्यालय अंबिकापुर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर मंजूषा भगत शामिल हुईं। कार्यक्रम में होली कॉस श्रवण बाधित विशेष विद्यालय अंबिकापुर, मानव जीवन ज्योति दृष्टिबाधित विद्यालय बतौली तथा शासकीय बौद्धिक मंदता विशेष विद्यालय अंबिकापुर के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक व्ही. के.उके ने दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव लीनम बनसोडे ने दिव्यांगों के अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गायन और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण बना दिया। महापौर मंजूषा भगत ने सभी बच्चों से आत्मीय मुलाकात करते हुए उनके स्वास्थ्य, पढ़ाई एवं प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे अद्भुत प्रतिभा और कला के धनी होते हैं। इन्हें समाज में अपनी योग्यता सिद्ध करने का पूर्ण अवसर मिलना चाहिए। ये किसी भी प्रकार से कम नहीं हैं। इस अवसर पर महापौर द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को 3 व्हीलचेयर, 1 ट्रायसाइकिल, 2 श्रवण यंत्र और बैशाखी प्रदान की। इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांग विद्यार्थी, स्कूलों का टीचिंग स्टाफ एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों को समान अवसर, अधिकार और सुरक्षा मिली जानकारी

जिला कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जे.आर. प्रधान के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस और लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होली क्रॉस आशा निकुंज विशेष विद्यालय, अंबिकापुर में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बालिकाओं और बालकों को समाज में समान अवसर, अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान की सतत कड़ी के रूप में लिंग आधारित हिंसा तथा डिजिटल हिंसा से बचाव, सुरक्षा उपाय व उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बाल अधिकार, लैंगिक समानता, संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा, आपातकालीन नंबर 181, 1098, 1930 सहित बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, पॉक्सो एक्ट, सुकन्या समृद्धि योजना व अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। बच्चों को आत्मविश्वास बढ़ाने और मानसिक रूप से सशक्त बनाने हेतु प्रेरणात्मक चर्चा भी की गई। इसके साथ ही बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने के उद्देश्य से बाल विवाह की हानियों और सामाजिक भेदभाव के सकारात्मक, नकारात्मक पक्षों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मिशन शक्ति (हब) से जिला समन्वयक नूतन सिन्हा, वित्तीय विशेषज्ञ नेहा सिंह, आईसीपीएस से सुमंती खाखा, समाज कल्याण विभाग से विमलेश उईके, स्कूल प्राचार्य श्वेता तिर्की, विशेष शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर एसईसीएल अस्पताल में हाथी के भ्रमण की तस्वीर हुई वायरल

किसी भी पोस्ट को शेयर करने से पहले सत्यता की जांच करने का आग्रह

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। डिजिटल युग में सोशल मीडिया जहां सूचना का सबसे तेज माध्यम बन चुका है, वहीं इसके दुरुपयोग की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ताजा मामला भटगांव क्षेत्र से जुड़ा है, जहां कुछ लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक हाथी की तस्वीर यह दावा करते हुए शेयर कर दी कि वह एसईसीएल अस्पताल भटगांव के पास खड़ा हुआ देखा गया। सत्यापन में पाया गया कि यह तस्वीर पूरी तरह से एआई से जनरेटेड है और वास्तविक घटना से इसका कोई लेना-देना नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, फर्जी तस्वीर के वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में हलचल मच गई। कई लोग यह मानकर चिंतित हो उठे कि हाथी रहवासी एसईसीएल कॉलोनी में पहुंच गया है, जबकि तस्वीर डिजिटल तैयार की गई थी। सोशल मीडिया एक्सपर्ट्स का कहना है कि एआई तकनीक जितनी उपयोगी है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है, क्योंकि इससे वास्तविक जैसे दिखने वाले फर्जी फोटो, वीडियो और सूचनाएं बड़ी संख्या में बनाकर फैलाए जा सकते हैं। ऐसे में बिना पुष्टिकरण किसी भी सामग्री को शेयर करना भ्रामक स्थिति पैदा कर सकता है। स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार नागरिकों ने लोगों से अपील की है किसी भी फोटो या वीडियो की तथ्य जांच करें। संदिग्ध पोस्टों को बिना सत्यता के शेयर न करें। गलत सूचना फैलाने वालों से सतर्क रहें। समाज में अनावश्यक अफवाहें और डर पैदा न हो, इसके लिए जागरूक रहना समय की मांग है। ऐसी घटनाएं एक बार फिर साबित करती हैं कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर चीज सच नहीं होती।

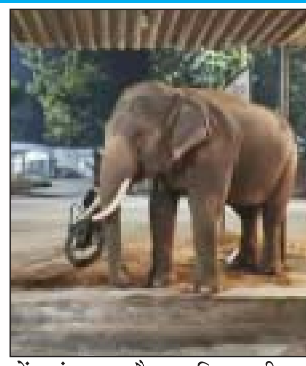

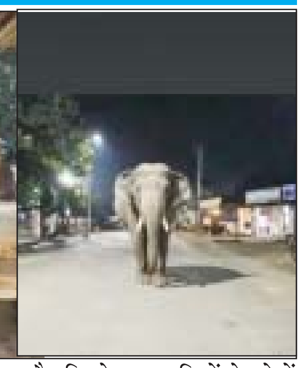

बकरा चोरी करके अंतर्राज्यीय बाजार में बेचते दो पकड़ाए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के रघुनाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरना से बकरा चोरी करके उत्तर प्रदेश के बाजार में बेचने का प्रयास करते आरोपियों को बकरा स्वामी ने रंगे हाथों पकड़ लिया। घटना की जानकारी रघुनाथनगर थाना में दी गई है, जिस पर पुलिस आरोपियों के विरूद्ध नामजद अपराध दर्ज करके वैधानिक कार्रवाई की है। शिवप्रसाद कुशवाहा पिता स्व. भईया राम 50 वर्ष, निवासी ग्राम सरना ने थाना रघुनाथनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 30 नवम्बर से एक दिसम्बर के मध्य रात्रि में घर में बंधे दो बकरे को अज्ञात व्यक्ति चोरी करके मोटरसायकल में लोड करके ले गया था। बकरी का आवाज सुनकर नींद खुली तो दोनों बकरा नहीं था। शिवप्रसाद ने इसकी जानकारी अपने पुत्र संजय कुशवाहा को दी, तो वह बकरा चोरों का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश विंढमगंज के बकरा बाजार पहुंचा। यहां पर गांव के ही अवधेश प्रजापति पिता स्व. श्यामा प्रजापति व अमन साहू पिता कृष्ण कांति साहू बकरा को बेचने के लिए लेकर आए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों के द्वारा बकरा चोरी करके लाना स्वीकार किया।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में एस.आई.आर. पुनर्निरीक्षण कार्यशाला

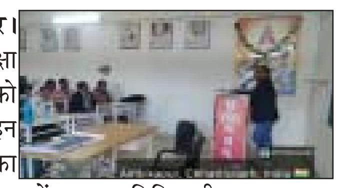

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में बुधवार को एस.आई.आर. (विशेष गहन पुनर्निरीक्षण) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वीप सदस्य द्वय रजनीश मिश्रा और प्रीति तिवारी रहे। दोनों ने एस.आई.आर. प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदाता शुद्धिकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने फॉर्म भरने की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल भाषा में तीन भागों में विभाजित करके समझाया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का सही और सटीक होना लोकतंत्र की मजबूती और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह ने कहा मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो और अपात्र नामों का समयानुसार संशोधन हो सके, इसके लिए एसआईआर महत्वपूर्ण है। डॉ. पूजा दुबे ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में नागरिक कर्तव्यों के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक सुमन पांडेय, रानी पांडेय के अलावा डीएलएड द्वितीय वर्ष के समस्त प्रशिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

शिवधारी कॉलोनी के पास से मोटरसायकल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पेट्रोल खत्म होने पर शिवधारी कॉलोनी के पास खड़ी मोटरसायकल को आधे घंटे के अंतराल में अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक ग्राम राजबांध थाना उदयपुर निवासी रूपेश सिंह वर्तमान में कृष्णानगर कॉलोनी नमनाकला में रहकर बीएससी प्रथम वर्ष की पढ़ाई सरस्वती कॉलेज अंबिकापुर कर रहा है। एक दिसम्बर को शाम करीब 7 बजे उसका दोस्त शिवम पैकरा पल्सर मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 ईजी 3630 को लेकर अपने घर ग्राम ककना सामान पहुंचाने गया था। शिवम पैकरा के साथ दिव्यांशु पैकरा भी साथ में था। रात करीब 11 बजे घर से वापस आते समय बंगाली चैक के पास मोटरसायकल का पेट्रोल खत्म हो गया। इसके बाद दोनों राहगीरों की मदद से धक्का देकर मोटरसायकल को ला रहे थे। शिवधारी कॉलोनी के पास पहुंचते तक थक जाने पर वे मोटरसायकल को वहीं खड़ा कर दिए। आधे घंटे के अंतराल में रात करीब 11.30 बजे मोटरसायकल को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति की जयंती पर राजीव भवन में कांग्रेसजनों ने किया पुष्पांजलि अर्पण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत के प्रथम राष्ट्रपति और संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 139वीं जयंती पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। आयोजित परिचर्चा में राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे जो इस पद पर दो कार्यकाल तक कार्य किए। वे संयम और त्याग के प्रतीक थे। उनके इस गुण को देखकर महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरे पास अमृत पीने वाले बहुत से लोग हैं किंतु जहर पीने के लिए सिर्फ एक ही व्यक्ति है, उनका नाम राजेन्द्र बाबू है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि राजेंद्र बाबू अपने धर्म के प्रति आस्थावान रहते हुए पूर्णतः धर्म निरपेक्ष थे। एक आस्थावान हिंदू के रूप में वे गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराते, वहीं धर्मनिरपेक्ष राजेन्द्र बाबू राष्ट्रपति भवन में मंदिर और मस्जिद दोनों बनवाए। परिचर्चा को एपी शांडिल्य, मो. इस्लाम, इरफान सिद्दीकी, लक्ष्मी गुप्ता, अमित तिवारी राजा ने भी संबोधित किया। सभा का संचालन महाराणा प्रताप मंडल के मंडल अध्यक्ष अमित सिन्हा ने किया। इस दौरान जगन्नाथ कुशवाहा, जमील खान, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, सोहन जायसवाल, निखिल विश्वकर्मा, चंचला सांडिल्य, रूही गजाला, मंजू सिंह, शकीला सिद्दीकी, सरोज मरावी, अनुराधा सिंह, सरोज बड़ा, लुकस एक्का, अविनाश कुमार, विकास शर्मा, केदार यादव, लखन मरावी, जमशेर आलम मौजूद थे।

नशा जीवन, परिवार और भविष्य तीनों को प्रभावित करता है-वंदना दत्ता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विक्टोरिया पब्लिक स्कूल में नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा द्वारा नशामुक्ति, यातायात नियमों, साइबर क्राइम से सुरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विजय कैवर्त उप निरीक्षक यातायात पुलिस के द्वारा विद्यार्थियों को यातायात के प्रावधानों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही यातायात के नियमों की अवहेलना कर वाहन चलाने के दुष्परिणामों एवं घटित दुर्घटनाओं के संबंध में आंकड़ों सहित प्रस्तुति दी गई। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाज सेविका वन्दना दत्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा जीवन, परिवार और भविष्य तीनों को प्रभावित करता है। युवाओं की सजगता ही समाज को नशे से मुक्त बना सकती है। अनिल कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों से नशामुक्ति के संदेश को हर घर तक पहुंचाने की अपील की गई। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी ने बच्चों को प्रेरक ढंग से नशामुक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र की संजू एवं उनके सहयोगी बहनों के द्वारा विद्यार्थियों को शांतिपूर्वक जीवन जीने के तरीके और ध्यान के बारे में बताया गया। उमाशंकर पाण्डेय काउंसलर नवा बिहान ने बच्चों के अधिकार एवं मोबाइल एडिक्शन से कैसे बचें, इस पर समझ विकसित करने का प्रयास किया। समाज सेविका सुनिधि शुक्ला ने साइबर अपराध एवं साइबर अपराध से सुरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उप प्राचार्य तुलसी शर्मा ने नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान टीम का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन प्रियंका मिश्रा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विक्टोरिया पब्लिक स्कूल के समस्त स्टाफ एवं नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के संयोजक मंगल पाण्डेय एवं टीम का सराहनीय योगदान रहा।

बोलेरो की पेड़ से हुई टक्कर में घायल एक और युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के कुदरगढ़ देवी धाम से दर्शन करके मध्यप्रदेश के कुम्हिया गांव लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो वाहन बिहारपुर-चांदनी मार्ग के जंगल के समीप पेड़ से टकरा गई थी, हादसे में वाहन स्वामी की मौत हो गई थी, वहीं चार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय सूरजपुर और मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रिफर किया था, इनमें से एक और घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुम्हिया से 30 नवम्बर को आठ श्रद्धालु गांव के ही सतीश प्रताप सिंह के बोलेरो वाहन क्रमांक यूपी 61 एए 6191 से रविवार को कुदरगढ़ माता का दर्शन करने के लिए आए थे। दर्शन पूजा के बाद देर शाम सभी अपने गांव लौटने के लिए निकले थे। इसी दौरान बिहारपुर चांदनी मार्ग के कच्चे रास्ते में ढाईबहरा पुल के पास बोलेरो वाहन तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे महुआ पेड़ से टकरा गई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और वाहन स्वामी सतीश प्रताप सिंह की मौत हो गई थी। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल सूरजपुर भेजा गया। इनमें से अर्जुन जायसवाल पिता सिद्धनाथ जायसवाल 18 वर्ष को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रिफर किया गया था, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कार की टक्कर से घायल युवक की मौत

कार से हुई टक्कर में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक आकाश कुमार पिता महेश राम 30 वर्ष, सूरजपुर जिला के ग्राम खड़गवांकला, प्रतापपुर का रहने वाला था। 29 नवम्बर को वह अपने बाबा मानसाय से मिलने के लिए घर से गया था। 2 दिसम्बर को अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके स्वजन को बताया कि परसापाली में आकाश का कार से एक्सीडेंट हो गया है, उसे राजपुर स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर स्वजन अस्पताल पहुंचे, यहां से चिकित्सक के द्वारा इलाज के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

एड्स जागरूकता सप्ताह अंतर्गत पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में रेड रिबन क्लब इकाई अंतर्गत एक दिसम्बर से 6 दिसम्बर तक एड्स जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गय है, जिसमें तीसरे दिन 3 दिसम्बर को बी.एड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों के बीच पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता कराया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने आकर्षक पोस्टर बनाने के साथ ही अपने-अपने शालानुभव विद्यालयों में भी पोस्टर बनवाया। इसका उद्देश्य समाज में एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूकता लाना और लोगों को सही जानकारी उपलब्ध कराना था व रचनात्मकता एवं संचार कौशल को बढ़ावा देना था। यह आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी सविता यादव के नेतृत्व में कराया जा रहा है। इस दौरान सहायक प्राध्यापक उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सीमा बंजारे, पूजा रानी, ज्योत्स्ना राजभर, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह एवं बीएड के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ सरगुजा ने संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ सरगुजा के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त सरगुजा संभाग को संघ के पंजीयन क्रमांक को पुनः मान्यता मिलने, संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आहूत कराने एवं संघ के पत्रों का उत्तर देने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, कर्मचारी कल्याण प्रकोष्ट रायपुर के आदेश दिनांक 21.11.2025 के तहत पत्राचार हेतु संघ को मान्यता प्राप्त हुई है। आदेश दिनांक 10.11.2025 के अनुसार 15.11.2025 तक सभी विभाग एवं विभागाध्यक्ष स्तर पर संयुक्त परामर्शदात्री बैठक आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 20.09.2024 के अनुसार शासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि कर्मचारी हित में जारी किए गए समस्त आदेशों एवं निर्देशों की प्रतियां मान्यता प्राप्त संघ को पृष्ठांकित किया जाए और उनके प्राप्त पत्रों का उत्तर भी दिया जाये। इस दौरान संघ के प्रदेश महामंत्री आनंद यादव, सरगुजा संभागीय अध्यक्ष दिनेश कश्यप, जिलाध्यक्ष संजय यादव उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर